पटना ● गुरुवार, 05 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः320 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय... 3 www. bordernewsmirror.com पुष्पाः द रूल का गाना... 7

अब सीसीटीवी से रखी जाएगी हिजाब पर नजर

● ईरान में महिलाओं के लिए लागू हुआ सख्त कानून

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में लंबे वक्त तक हिजाब को लेकर महिलाओं ने काफी आक्रामक प्रदर्शन किया और हिजाब पहनने तक से इनकार कर दिया लेकिन अब ईरानी संसद ने एक हिजाब को लेकर और ज्यादा सख्त कानून पारित कर दिया है। इस कानून के तहत अब अगर कोई महिला सही तरीके से हिजाब नहीं पहनेगी, या हिजाब का विरोध करेगी तो उसे सख्त सजा दी जाएगी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की ओर से कई बार इस तरह के प्रतिबंधों की

आलोचना करने के बावजूद लॉ मेकर्स ने यह कानून संसद से पास कर दिया है, जिसे ईरान की महिलाओं के लिए काफी बंदिशों वाला माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ईरानी संसद ने 'हिजाब और शुद्धता' से जुड़ा बिल पारित किया है। इसके तहत महिलाओं के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य होगा। अगर वे ऐसा नहीं करेंगी तो उन्हें सख्त से सख्त सजा सुनाई जा सकती है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर सही तरीके से हिजाब न पहनने वाली महिलाओं पर, संसद द्वारा पारित यह कानून लागू होगा।

महिलाएं वर्क और लाइफ अलग नहीं कर सकतीं

गोगोई बोले-मूर्ति के 'वर्क-लाइफ बैलेंस' बयान से असहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफोसिस को-फाउंडर नारायण मूर्ति के वर्क-लाइफ बैलेंस वाले बयान पर फिर से बहस शुरू हो गई है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बुधवार को नारायण मूर्ति के ओवरवर्क कल्चर यानी ज्यादा काम करने के पक्ष में दिए गए बयान से असहमति जताई। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि वर्क-लाइफ बैलेंस महिलाओं के लिए मुश्किल है। पारंपरिक तौर से काम करने वाली महिलाओं के पास काम और जिंदगी को अलग करने का भी विकल्प नहीं होता है। यह सुविधा पारंपरिक तौर पर पुरुषों को ही मिली है और

अब समय है आधुनिक समय में वे इसे त्याग दें। दरअसल, पिछले साल 2023 में नारायण मूर्ति ने देश के युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था- पीएम मोदी हफ्ते में 100 घंटे काम कर सकते है तो हम क्यों नहीं। 1986 में जब भारत 6 डे वर्क वीक से 5 डे वर्कवीक पर शिफ्ट हुआ तो मुझे बहुत दुख हुआ था। गोगोई बोले- परिवार की देखभाल करना भी काम का हिस्सा गोगोई ने नारायण मूर्ति के वर्क-लाइफ बैलेंस को एक मिथक के रूप में पेश करने की आलोचना की। उन्होंने कहा पारंपरिक रूप से पुरुष और महिलाओं के बीच घर के काम का बंटवारा असमान है। जीवन केवल पेशेवर काम तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें घर की जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। ये सभी काम पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान रूप से करने चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के पक्ष में उतरा अपना भारत

157 देशों के साथ इजरायल को कब्जा छोड़ने को कहा

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिसमें पूर्वी यरुशलम सहित 1967 से कब्जाए गए फिलिस्तीनी क्षेत्र से इजराइल से वापस जाने का आह्वान किया गया है तथा पश्चिम एशिया में व्यापक, न्यायपूर्ण और स्थायी शांति प्राप्त करने के आह्वान को दोहराया गया है। सेनेगल की ओर से प्रस्तुत 'फिलिस्तीन के प्रश्न का शांतिपूर्ण समाधान' विषयक मसौदा प्रस्ताव को मंगलवार को 193 सदस्यीय महासभा में भारी बहुमत से स्वीकार कर लिया गया। भारत उन 157

देशों में शामिल था जिन्होंने इसके पक्ष में मतदान किया, जबकि आठ सदस्य देशों - अर्जेंटीना, हंगरी, इजरायल, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पलाऊ, पापुआ न्यू गिनी और अमेरिका ने इसके खिलाफ मतदान किया। कैमरून, चेकिया, इक्वाडोर, जॉर्जिया, पैराग्वे, यूक्रेन और उरुग्वे ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। मौखिक रूप से संशोधित रूप में अपनाए गए प्रस्ताव में प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के आधार पर स्थायी शांति की प्राप्ति' तथा पूर्वी यरुशलम सहित 1967 में शुरू हुए इजराइली कब्जे को समाप्त करने का आह्वान दोहराया गया।

संभल नहीं जा सके राहुल-प्रियंका, काफिले का यू-टर्न

गाजीपुर बॉर्डर से वापस लौटे, पुलिस ने नहीं दी जाने की इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संभल नहीं पहुंचने देने की कोशिश में जुटे पुलिस प्रशासन ने गाजीपुर बॉर्डर पर उनका काफिला रोक लिया। पुलिस ने उन्हें संभल जाने की इजाजत नहीं दी। जिसके बाद राहुल और प्रियंका को दिल्ली वापस लौटना पड़ा। राहुल और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पांच अन्य सांसदों के साथ बुधवार को हिंसा प्रभावित संभल का दौरा करने निकले थे लेकिन उन्हें गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक लिया गया। उत्तर प्रदेश के हिंसा प्रभावित संभल में पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने जा रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बुधवार को रास्ते में दिल्ली-गाजीपुर सीमा पर रोक दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता सुबह गाजीपुर सीमा पर पहुंचे, जहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और उन्हें संभल में प्रवेश करने से रोकने के लिए बैरीकेड लगाए गए थे। गाजीपुर बॉर्डर पर रोकी गई प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, संभल में जो

कुछ हुआ वह गलत है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, उनके पास संवैधानिक अधिकार हैं और उन्हें इस तरह नहीं रोका जा सकता। उन्हें जाने दिया जाना और पीड़ितों से मिलने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि वह यूपी पुलिस के साथ अकेले जाएंगे लेकिन वे ऐसा करने को भी तैयार नहीं हैं। शायद उत्तर प्रदेश में हालात ऐसे हैं कि वे इतना भी नहीं संभाल सकते। फिर किस बात पर वह अहंकार से कहते हैं कि उन्होंने कानून और व्यवस्था का ध्यान रखा है। राहुल गांधी के दौरे के चलते संभल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है और जिले की सीमाओं पर निरीक्षण किया जा रहा है। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने मंगलवार को गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के पुलिस आयुक्तों और अमरोहा तथा बुलंदशहर जिलों के पुलिस अधीक्षकों को एक पत्र लिखा था जिसमें उनसे आग्रह किया गया था कि वे संभल की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी को अपने जिलों की सीमाओं पर रोकें। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, ''सभी जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया है कि वे 10 दिसंबर तक जिले में न आएं। इसके लिए उन्हें संदेश भी भेजा गया है।

संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा

हेमा मालिनी बोलीं-यह विदेशी संबंधों का नहीं, कृष्ण भक्तों की भावनाओं का मामला है

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को 7वां दिन है। लोकसभा में बांग्लादेश हिंसा का मुद्दा उठा। मथुरा से सांसद हेमा मालिनी ने कहा- बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं और हिंदू मंदिरों, खास तौर पर इस्कॉन और इस्कॉन भक्तों के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे देखकर मैं बेहद दुखी और परेशान हूं। यह केवल विदेशी संबंधों का मुद्दा नहीं है, यह भारत में कृष्ण भक्तों की भावनाओं का मामला है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष ने किसान मुद्दे पर हंगामा किया। विपक्षी नेताओं ने किसान विरोधी ये सरकार नहीं चलेगी के नारे लगाए। कई नेता वेल में चले आए। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने नाराजगी जताई। उन्होंने खड़े होकर विपक्षी नेताओं को डांटा। धनखड़ ने कहा-

ये नारेबाजी और घड़ियाली आंसू यहां नहीं चलेंगे। आपके लिए किसानों का हित स्वार्थ के लिए है। शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियों पर चरमपंथियों द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय हैं। उन्होंने हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्कॉन के लोग मानवता के लिए अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''चिन्मय कृष्ण दास बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हें राजद्रोह का आरोप लगाकर जेल में डाल दिया गया। उनके पक्ष में गवाही देने वाले दो लोगों को भी जेल में डाल दिया गया।'' हेमा मालिनी ने कहा, ''मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं। मैं कृष्ण की पावन नगरी मथुरा की प्रतिनिधि हूं। हम धर्म पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह विदेश नीति का विषय नहीं है, बल्कि हमारी भावना का विषय है।'' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। असम से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे को जोरशोर से उठाया।

लोकसभा में सीट को लेकर सांसदों में शुरू हुई रार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के जारी शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तेलुगू देशम पार्टी के वरिष्ठ सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने सदन में उन्हें आवंटित सीट पर निराशा जताई। रेड्डी का कहना है वे पांचवीं बार सांसद हैं और उन्हें आठवीं पंक्ति की सीट मिली है जबकि पिछली लोकसभा में उन्हें दूसरी पंक्ति में बैठाया गया था। इस मुद्दे पर हस्तक्षेप

करते हुए स्पीकर ओम बिड़ला ने रेड्डी से कहा कि वे अपनी शिकायतें बाद के लिए टाल दें। बिड़ला ने कहा, कोई भी सदस्य सदन में संसद की कार्य व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाएगा अगर आपको कोई समस्या या चिंता है तो कृपया सदन या संसदीय कार्य मंत्रालय में आएं। इस परंपरा का पालन किया जाना चाहिए।

59 हजार व्हाट्सएप अकाउंट ब्लॉक, जामताड़ा में टीम तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में कार्रवाई करते हुए 1,700 से अधिक स्काइप आईडी और 59,000 व्हाट्सएप अकाउंट को ब्लॉक किया है। इसके अलावा, सरकार ने डिजिटल गिरफ्तारी पर एक व्यापक जागरुकता कार्यक्रम भी शुरू किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा को ये जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों के खिलाफ जनता को सतर्क करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसके तहत अखबारों में विज्ञापन, दिल्ली मेट्रो में घोषणा, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से विशेष पोस्ट, प्रसार भारती और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनलों पर अभियान चलाने के साथ-साथ आकाशवाणी पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। गृह मंत्रालय ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा,आई4सी ने डिजिटल गिरफ्तारी के लिए इस्तेमाल किए गए 1,700 से अधिक स्काइप आईडी और 59,000 व्हाट्सएप अकाउंट की सक्रिय रूप से पहचान की और उन्हें ब्लॉक किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन में डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर अपराधियों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया था। इसके बाद गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधियों द्वारा राज्य पुलिस, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के नाम पर ब्लैकमेल और डिजिटल गिरफ्तारी के बढ़ते मामलों के खिलाफ अलर्ट पर एक प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशित की है। सरकार ने टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ मिलकर एक सिस्टम तैयार किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्पूफ कॉल्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक किया जा सके। ये कॉल्स भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करते हुए फर्जी तरीके से देश के भीतर से आती दिखती हैं। इसके अलावा, आई4सी के तहत एक अत्याधुनिक केंद्र 'साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर' स्थापित किया गया है। इस केंद्र में प्रमुख बैंकों, वित्तीय संस्थानों, भुगतान एग्रीगेटर्स, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर साइबर अपराध से निपटने के लिए तत्परता से काम किया जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि पुलिस विभागों द्वारा रिपोर्ट किए गए 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1,32,000 खातों को ब्लॉक किया गया है। इसके साथ ही, पूरे देश को कवर करने के लिए सात 'जॉइंट साइबर कोऑर्डिनेशन टीम्स' का गठन किया गया है। ये टीमें मेवात, जामताड़ा, अहमदाबाद, हैदराबाद, चंडीगढ़, विशाखापट्टनम और गुवाहाटी जैसे साइबर अपराध हॉटस्पॉट्स में काम कर रही हैं। 2021 में शुरू किए गए साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग के तहत 3,431 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि को बचाया गया है।

'डिजिटल गिरफ्तारियों' को लेकर ऐक्शन में है मोदी सरकार

महाराष्ट्र के अगले सीएम होंगे देवेन्द्र फडणवीस

बीजेपी विधायक दल की बैठक में हो गया ऐलान

शिंदे और अजित के साथ जाकर पेश किया दावा

मुंबई (एजेंसी)। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी लीडर अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान भाजपा के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे। इसके बाद फडणवीस, शिंदे और पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। फडणवीस और शिंदे दोनों ने कहा कि कितने और कौन-कौन मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी दे दी जाएगी। शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कल 5.30 बजे आजाद मैदान में होगा। फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम होगा। मीडिया ने सवाल पूछा कि शिंदे और पवार डिप्टी सीएम की शपथ लेंगे। इस पर अजित पवार ने कहा-कोई ले रहा है, या नहीं, ये अलग बात है। इन लोगों का शाम तक तय होगा पर मैं तो कल शपथ ले रहा हूं यह तय है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा- हम तीनों नेता एक हैं। मैंने एकनाथजी से सरकार में शामिल होने और डिप्टी सीएम बनने का अनुरोध किया था। एकनाथ शिंदे ने कहा- मुझे क्या मिल रहा है, यह सवाल ही नहीं था। हमारे मन में सिर्फ यह भावना थी कि महाराष्ट्र को क्या मिला। इसी पर हमने काम किया। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। सब ठीक है। इससे पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को नेता चुना गया।

अजित पवार बोले- हम तीनों साथ मिलकर काम करेंगे

इस दौरान अजित पवार ने भी मीडिया से बात की। उन्होंने मंत्रालयों को लेकर भाजपा पर दबाव डालने की बात से इनकार किया। उन्होंने दिल्ली जाने को लेकर लगे कयासों पर भी बात की और कहा कि मैं तो वहां निजी काम से गया था। अजित पवार ने भी भरोसा दिलाया कि हम राज्य के हित में साथ मिलकर काम करेंगे। एकनाथ शिंदे ने कहा, हमने वादा किया था कि जो भी फैसला लिया जाएगा, उसका मैं समर्थन करूंगा। मैंने वही किया है। महायुति को इतना बड़ा बहुमत कभी नहीं मिला था, ये ऐतिहासिक है। बहनों-भाइयों का धन्यवाद। मुझे क्या मिला ये सवाल नहीं है, महाराष्ट्र को क्या मिला, यही भावना हमारे मन में थी। महायुति में कोई ऊंच-नीच नहीं है। फडणवीस घर आए, ये उनका बड़प्पन है। कौन और कितने मंत्री शपथ लेंगे, इसकी जानकारी मैं दे दूंगा।

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर फायरिंग

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में बुधवार को पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल पर खालिस्तानी आतंकी ने फायरिंग की। सुखबीर बादल गोल्डन टेंपल के गेट पर सेवादार बनकर बैठे थे। डेरा सच्चा

सौदा के मुखी राम रहीम को माफी देने को लेकर सिखों की सर्वोच्च अदालत अकाल तख्त ने उन्हें यह सजा दी है। वारदात के वक्त हमलावर ने जैसे ही उन पर गोली चलाई, उसी समय सिविल वर्दी में तैनात उनके सुरक्षाकर्मियों ने उसका हाथ पकड़कर ऊपर उठा दिया। जिससे गोली गोल्डन टेंपल की दीवार पर जा लगी। इससे सुखबीर बादल बाल-बाल बच गए। इसके बाद हमलावर ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। सुखबीर बादल को तुरंत सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

यात्रीगण ध्यान दें...

अब सिर्फ 13 घंटे में पहुंच जाएंगे दिल्ली से कश्मीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। धरती पर स्वर्ग कहे जाने वाली कश्मीर घाटी के लिए जल्द ही दिल्ली से सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी मिलने वाली है। जी हां, कश्मीर और दिल्ली के बीच सीधी ट्रेन सेवा की शुरुआत अगले महीने जनवरी 2024 में होने की

इस महीने शुरू हो सकती है दिल्ली से श्रीनगर तक सीधी वंदे भारत ट्रेन

उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के 272 किमी लंबे ट्रैक के अंतिम 17 किमी के हिस्से का उद्घाटन कर सकते हैं। यह हिस्सा रियासी और कटरा के बीच का है। बताया जा रहा है कि इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। दिल्ली से चलने वाली यह ट्रेन 800 किमी की दूरी को 13 घंटे से भी कम समय में पूरा करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस परियोजना के तहत कटरा और संगलदान के बीच 62 किमी लंबे ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से 45 किमी का काम पूरा हो चुका है। रियासी और संगलदान के बीच ट्रायल रन भी जारी है। इस रूट पर ही दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। यह पुल चिनाब नदी पर स्थित है। रियासी और कटरा के बीच शेष 17 किमी हिस्से पर चार स्टेशन हैं और सुरंग का काम एडवांस स्टेज में है। यह खंड 20 दिसंबर तक ट्रायल रन के लिए तैयार हो जाएगा। जनवरी के पहले महीने में इसका उद्घाटन हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ राजेंद्र प्रसाद की मनाई गई जयंती, दी श्रद्धांजलि :कटिहार में पूर्व विधायक ने किया याद

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में मंथन मंच के अध्यक्ष पूर्व विधायक सत्यनारायण प्रसाद और सचिव रमेश राज एकांत ने स्टेशन के बाहर रेल स्थित डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर मंच की ओर से मोमबत्ती जलाई गई। मंच के अध्यक्ष सत्यनारायण प्रसाद ने कहा कि देश के पहले राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने भारतीय लोकतंत्र की सशक्त नींव रखने में योगदान दिया था। डॉ राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन करते है। देश के संविधान निर्माण से लेकर भारत को एक सुदृढ़ और उन्नत राष्ट्र बनाने में उनके अतुल्य योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उनके उच्च विचार और आदर्श मूल्य हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। वही मंथन मंच के सचिव रमेश राज एकांत ने कहा कि मंथन मंच की ओर से 1989 से लगातार रेल परिसर स्थित डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट मामले में एसआईटी गठित

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन में स्वर्ण व्यवसायी से लूट मामले में एसपी सागर कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआईटी का गठन किया है। पुलिस घटना में शामिल आरोपियों को खोजने में लग गई है। पुलिस को आशंका है कि पूर्णिया या फिर अररिया के किसी गैंग ने घटना को अंजाम दिया है। एसडीओपी गौतम कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। एफएसएल की टीम भी जांच के लिए घटना स्थल पर पहुंची। बता दे कि सर्राफा कारोबारी कैलाश अग्रवाल के बेटे सन्नी अग्रवाल को अपराधियों ने रविवार को निशाना बनाया। घटना को अपराधियों ने उस समय अंजाम दिया था जब सन्नी अपने घर से दुकान जा रहा था। इस दौरान बिशनपुर मंडी स्थित मस्जिद के सामने अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर उन्हें रोक लिया और उनके पास से पैसे और सोना-चांदी से भरा हुआ एक बैग छीन लिया था। लूट के बाद दहशत फैलाने के उद्देश्य से अपराधी फायरिंग करते हुए भाग निकले।

बोधगया में अभियान चलाकर हटाया गया अतिक्रमण

गया, एजेंसी। बोधगया में पर्यटक सीजन शुरू है। इसके मद्देनजर मंगलवार को नगर परिषद प्रशासन ने अतिक्रमण अभियान चलाया। अभियान के तहत पहले चरण में सड़क किनारे से अतिक्रमणकारियों को हटाने का कार्य किया जा रहा। जो नगर परिषद क्षेत्र के बीटीएमसी, तिब्बती मंदिर के आस पास अतिक्रमण कर दुकान लगाए है। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर परिषद द्वारा माइकिंग भी करवाया गया है। इस संबंध में नगर परिषद के आईटी के राजेश कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत सरकारी भूखंड पर लगाए गए गुमटी, चौकी आदि को हटवाया गया। नोड वन से महाबोधि मंदिर के बाहरी परिसर तक अतिक्रमण हटाया गया। महाबोधि मंदिर के बाहरी परिसर से कालचक्रा मैदान के बाहरी परिसर तक अतिक्रमण हटाया गया। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अतिक्रमण हटाने का काम आगे भी जारी रहेगा।

गलत साबित हुआ तो दे दूंगा इस्तीफा, सीबीआई से कराओ जांच: पप्पू यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा है कि अगर उनपर लग रहे आरोप सही साबित हुए तो वो इस्तीफा दे देंगे। दरअसल पिछले कुछ दिनों से सांसद को धमकी दिए जान का मामला काफी गर्म था और अब बिहार पुलिस ने इसे लेकर बड़ा दावा कर दिया है। बिहार पुलिस ने राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक पूर्व सहयोगी को मंगलवार को गिरफ्तार किया और दावा किया कि उसने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताकर सांसद को धमकी दी थी। आरोपी राम बाबू यादव ने कथित तौर पर पप्पू यादव को एक वीडियो कॉल कर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को खत्म करने की धमकी देने वाले उनके (पप्पू यादव) पोस्ट के लिए लॉरेंस बिश्नोई से माफी मांगने के लिए

कहा था। पुलिस ने दावा किया है कि राम बाबू ने बताया है कि उसे सांसद के लिए धमकी भरा वीडियो बनाने और उनके व्हाट्सएप नंबर पर भेजने के लिए 2000 रुपये मिले थे। एसपी ने बताया कि उसने पूछताछ में यह भी बताया कि पहले से बना एक और धमकी भरा वीडियो भेजने के बाद उसे सांसद से जुड़े लोगों से दो लाख रुपये और कुछ राजनीतिक पद मिलने वाला था। पुलिस के इस खुलासे के बाद पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने धमकी मामले में पप्पू यादव की भूमिका की जांच करवाने की मांग की है। लेकिन अब अपने ऊपर लग रहे आरोपों से पप्पू यादव बिफर उठे हैं। पप्पू यादव ने एक फेसबुक लाइव कर कहा कि अगर आरोप सही साबित हुए तो वो इस्तीफा दे देंगे। इतना ही नहीं पप्पू यादव ने पूरे मामले की सीबीआई से जांच करवाने की मांग भी की है।

क्या बोले पप्पू यादव

पप्पू यादव ने एक फेसबुक लाइव में कहा, मैंने 24 फोन नंबर डीजी को भेजे हैं। कभी पाकिस्तान, कभी मलेशिया तो कभी नेपाल से फोन आए। इन सभी नंबरों की जांच कहां है, जिसके बारे में आज तक आपने खुलासा नहीं किया है। मुझे लगातार जेल से भी मारने की धमकी दी गई लेकिन इसके बारे में भी आपन खुलासा नहीं किया है। आखिर क्यों आपके प्रशासन को डर क्यूं है?

सीबीआई से करवाइए जांच

सांसद पप्पू यादव ने आगे कहा, मेरा चरित्र सुरक्षा लेने का कभी नहीं रहा। मैं सात बार का सांसद हूं। पूर्णिया की जनता और बिहार की जनता काफी है। मैं लगातार कई दिनों तक जंगल में घूमता हूं। मैं बिना सुरक्षा के महाराष्ट्र गया था। मैं दिल्ली में हूं, कोई सुरक्षा है क्या...जिसको मारना होगा मार देगा। आपको क्या चिंता है। आप चिंता मत करिए। मैं मरने को तैयार हूं। पप्पू यादव ने कहा, अगर मैंने जिंदगी में सुरक्षा लेने के लिए ऐसी हरकत करूंगा तो मैं कल इस्तीफा दे दूंगा। जिसके जीवन में डर नहीं है वो सुरक्षा के लिए भीख मांगेगा। मैं कोई जाति नहीं जानता। मैं पूर्व एमपी से कहना चाहता हूं कि आपकी सरकार है...आप सीबीआई से जांच करवाएं। मैं सीबीआई से जांच करवाने की मांग करता हूं। मैं सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जज की निगरानी में जांच चाहता हूं। मुझे बिहार सरकार की पुलिस पर भरोसा नहीं है। प्लीज...अगर हिम्मत है तो सीबीआई से जांच करवा कर देख लीजिए।

एनएच-33ए पर बोलेरो और जीप में टक्कर, 26 लोग घायल

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा में मंगलवार की देर रात करंडे थाना क्षेत्र के शेखपुरा-सिकंदरा एनएच 33 ए पर भिखनी मोड़ के पास बोलेरो वैन और यात्री जीप के बीच टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार जीप में कुल 26 लोग सवार थे। जो बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही सदर अस्पताल शेखपुरा और सीएचसी चेवाडा से विशेष एम्बुलेंस वाहनों को घटनास्थल पर भेजकर डेढ़ दर्जन घायलों को दोनों सरकारी

शेखपुरा में 2 को किया गया हायर सेंटर रेफर, चल रहा इलाज

अस्पतालों में भर्ती कराया गया। जबकि कई घायलों को इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय विधायक विजय सम्राट और एसीएमओ डॉ अशोक कुमार सिंह सदर अस्पताल शेखपुरा पहुंचे। घायलों में दो लोगों की हालत गंभीर रहने के कारण हायर सेंटर पावापुरी रेफर कर दिया गया। जबकि 14 लोगों का इलाज स्थानीय रेफरल अस्पताल में चल रहा है। घटना में विद्या देवी, क्रांति देवी,उपेंद्र केवट, अनपी देवी, ऋतु कुमारी, रूपा कुमारी, सजना कुमारी, सोनिया देवी, दिलीप केवट सहित अन्य शामिल है। सभी लोग चेवाडा प्रखंड के चिंतावन चक गांव निवासी सत्यनारायण केवट के बेटे और बेटी के मुंडन कार्यक्रम से जीप में गांव वापस लौट रहे थे।

21 से 23 दिसंबर तक राजगीर महोत्सव:आरआईसीसी और हॉकी मैदान में कार्यक्रम कृषि मेला और प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी

नालंदा, एजेंसी। राजगीर में होने वाले प्रतिष्ठित महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। जिलाधिकारी शंशाक शुभंकर ने महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस बार महोत्सव 21 से 23 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव का मुख्य आयोजन पहले की तरह ही आरआईसीसी और हॉकी मैदान में किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनियां, कृषि मेला, व्यंजन मेला, महिला महोत्सव आदि का आयोजन किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, समारोह स्थल की तैयारी, लाइटिंग, प्रचार-प्रसार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, स्टॉल, कृषि मेला, व्यंजन मेला, महिला महोत्सव, सद्भावना मार्च, तांगा और पालकी सज्जा, साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, जन सुविधा की व्यवस्था, खेल महोत्सव, नुक्कड़ नाटक, आमंत्रण पत्र का वितरण, सर्व धर्म मंगलाचरण, वाहन पार्किंग, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सड़क मरम्मती, विद्युत प्रकाश और लाइटिंग, निजी घरों, होटलों और अन्य भवनों का साज-सज्जा प्रतियोगिता, प्रचार-प्रसार, उद्घाटन और समापन, पुरस्कार वितरण आदि

विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए महोत्सव को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। राजगीर महोत्सव का उद्देश्य राजगीर के पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करना है। इस महोत्सव के माध्यम से राजगीर की सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित किया जाता है।

अलाव तापने के दौरान झुलसी महिला, हालत गंभीर

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के अस्पताल रोड में अलाव से एक महिला के कपड़े में आग लग गई। देखते ही देखते महिला बुरी तरीके से झुलस गई। पीड़िता खुशबू देवी (23) की चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने आस पड़ोस के लोग मदद के लिए पहुंचे और आग पर काबू पाया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भेड़ लग गई। वहीं स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस को सूचना दिया। इसके बाद घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि महिला की स्थिति नाजुक होने के कारण हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने फिर घायल महिला को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इसके बाद हालत बिगड़ने पर एमजीएम मेडिकल कॉलेज से सिलीगुड़ी रेफर कर दिया गया। जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

पूर्व मेयर ने लोगों को दिखाई द साबरमती रिपोर्ट, छपरा में फिल्म देखने पहुंचे सैकड़ों लोग

छपरा, एजेंसी। गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को देखने के लिए दर्शक पहुंच रहे है। इस क्रम में मंगलवार की शाम पूर्व मेयर राखी गुप्ता ने पूरे सिनेमा हॉल को बुक कर भाजपा कार्यकर्ता और लोगों को फिल्म दिखाने का काम किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग फिल्म देखने पहुंचे। इस दौरान ज्योति सिनेमा हॉल में नगर निकाय प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष राखी गुप्ता और व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक वरुण प्रकाश ने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ द साबरमती रिपोर्ट को देखा। इस दौरान जनता से निवेदन किया कि फिल्म को अवश्य देखें और सभी को दिखाएं। राखी गुप्ता ने कहा कि गोधरा कांड की सच्चाई इस फिल्म में दिखाई गई है। यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए, क्योंकि इसे देखकर मालूम होता है कि आज से 22 साल पहले 27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा में एक समुदाय विशेष को कैसे टारगेट किया गया था। मौके पर अनिल सिंह, मनीष जायसवाल, सुपन, हेमंत राज, हेमंत राय, विनय चौधरी, विजय चौधरी, मुन्नू सिंह, दीपक कुमार, संतोष कुमार, संजय कुमार, कुंवर जायसवाल, सोना सिंह, विभा देवी, विमला सैनी, देवांती देवी आदि सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहें।

मंत्री ने कहा-सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के काम में तेजी लाएं

पटना, एजेंसी। नमामि गंगे के तहत राज्य में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजनाओं का काम तेजी से चल रहा है। नगर विकास मंत्री नितिन नवीन द्वारा सभी कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। मंत्री ने कहा कि गंगा किनारे बसे शहरों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें से एक नमामि गंगे भी है। इस परियोजना के तहत पटना समेत कई जिलों में सीवरेज नेटवर्क का काम किया जा रहा है। इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। साथ ही हाउस कनेक्शन के लक्ष्य को भी जल्द पूरा करने को कहा है। विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि पटना में 1 लाख 96 हजार 726 घरों को सीवरेज नेटवर्क से जोड़ना है, जिनमें से 87798 घरों में कनेक्शन का काम पूरा कर लिया गया है। मुंगेर में 15200 में से 13750 और बेगूसराय में 15 हजार में से 13 हजार घरों में कनेक्शन का कार्य पूरा हो चुका है।

उर्वरक तय रेट से 400 रुपए अधिक बिक रहा, कालाबाजारी से किसानों की बढ़ी परेशानी

नालंदा, एजेंसी। गेहूं की बुआई के मौसम में किसानों पर एक नया संकट मंडरा रहा है। जिले में डीएपी उर्वरक की कालाबाजारी ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है, जबकि प्रशासन के दावे पूरी तरह से विफल साबित हो रहे हैं। स्थानीय कृषि विभाग के आंकड़े बताते हैं कि जिले में डीएपी के 1244 टन स्टॉक मौजूद हैं, फिर भी स्थानीय व्यापारी किसानों से अनैतिक तरीके से 1700 से 1800 रुपए प्रति बैग की दर से उर्वरक बेच रहे हैं। सरकार की ओर से निर्धारित मूल्य 1350 रुपए प्रति बैग है, लेकिन व्यापारी इसकी अवहेलना कर रहे हैं। स्थानीय किसानों ने बताया कि दुकानदार पहले स्टॉक की कमी का बहाना बनाते हैं और फिर मनमाने दाम वसूलते हैं। महलपर के किसान जनार्दन पासवान का कहना है, ÷हमें मजबूरन महंगे दामों पर डीएपी खरीदना पड़ता है। हमारे पास कोई विकल्प नहीं है।

यूरिया का उपयोग कर रहे

परिस्थितियों से निपटने के लिए कई किसान वैकल्पिक उर्वरकों जैसे एसएसपी और यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार ने किसानों को राहत देते हुए कहा है कि वे 06112-231143 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। यह स्थिति न केवल किसानों के आर्थिक बोझ को बढ़ाती है, बल्कि कृषि क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का एक और उदाहरण है। स्थानीय प्रशासन और व्यापारी मिलीभगत से किसानों का शोषण कर रहे हैं।

जिले में उर्वरक स्टॉक की स्थिति

यूरिया: 12,084 टन- डीएपीः 1,244 टन- एमओपीः 485 टन- एनपीकेः 1,887 टन- एसएसपीः 3,568 टन स्पष्ट है कि आपूर्ति पर्याप्त है, फिर भी किसानों को अनुचित दबाव झेलना पड़ रहा है।

बिहार के शिक्षकों को 2025 में मिलेगी 72 छुट्टियां

शिक्षा विभाग ने जारी किया कैलेंडर, पलटा गया केके पाठक का आदेश

पटना, एजेंसी। शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूल का अवकाश कैलेंडर-2025 जारी किया है। विभाग ने एक बार फिर द्ध्स्केके पाठक के आदेश को पलटा दिया है। कैलेंडर के अनुसार महापुरुषों की जयंती पर स्कूल बंद रहेंगे। गर्मी की छुट्टी के साथ ठंड की भी छुट्टी दी गई है। 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक ठंड की छुट्टी यानी स्कूल बंद रहेंगे। वहीं गर्मी की छुट्टी 2 से 21 जून तक होगी। रक्षाबंधन पर भी स्कूल बंद रहेंगे। साल में स्कूल 72 दिन बंद रहेंगे। ईद की छुट्टी चांद दिखने के बाद निर्धारित की जाएगी।

स्टूडेंट्स को सभी विषयों में होम वर्क दिए जाएंगे

स्कूलों में वार्षिक उत्सव, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती समारोह मनाई जाएगी। इस दौरान सभी स्टूडेंट्स और टीचर स्कूल में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजन के बाद स्कूलों में छुट्टी होगी। कैलेंडर के अनुसार गर्मी की छुट्टी, ठंड की छुट्टी, दशहरा और दीपावली की छुट्टी के दौरान बच्चों को होम वर्क दिए जाएंगे। शिक्षकों को अनिवार्य रूप से होम वर्क देना होगा। स्कूल खुलने के बाद टीचर का यह दायित्व होगा कि होम वर्क का मूल्यांकन करें।

एग्जाम सिस्टम में किया गया बदलाव : बिहार के सरकारी स्कूलों में एग्जाम सिस्टम में भी बदलाव किया है। जनवरी 2025 से मंथली एग्जाम नहीं लिए जाएंगे। साथ ही कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्रों का अब वीकली टेस्ट लिया जाएगा। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में लिखा है, बिहार सरकार ने सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में क्लास 1 टू 12 तक परीक्षा सिस्टम में बदलाव किया है। मंथली एग्जाम को खत्म कर दिया गया है। कैलेंडर वर्ष 2025 से त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक और वार्षिक परीक्षा ली जाएगी।

सेंटअप एग्जाम में कोई बदलाव नहीं

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण केंद्र क्लास 1 से 8वीं तक की परीक्षा लेगी। इसके लिए टाइम टेबल जारी किया जाएगा। 9वीं से 12वीं की परीक्षाओं का आयोजन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति करेगी। हर सोमवार को छात्रों का टेस्ट लिया जाएगा। छुट्टी रहने पर अगले कार्य दिवस में साप्ताहिक परीक्षा ली जाएगी। यह इंटरनल असेसमेंट के तहत होगा। रिजल्ट छात्रों और अभिभावकों के साथ साझा किया जाएगा।

सैलानियों से गुलजार महाबोधि मंदिर, 13 देशों के बौद्ध श्रद्धालु कर रहे त्रिपिटक सुत्त पाठ

गया, एजेंसी। बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में प्रारंभ 19वां अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक पूजा में 13 देशों के बौद्ध धर्मावलंबी जुटे हैं। महाबोधि वृक्ष के नीचे त्रिपिटक पूजा के दौरान त्रिपिटक सुत्त के मंत्रों से वातावरण गुंजायमान है। इसके जरिये सत्य, अहिंसा, दया, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया जा रहा है। यहां श्रीलंका, लाओस, ताइवान, कम्बोडिया, म्यांमार, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, सिंगापुर, वियतनाम, इंडोनेशिया आदि देशों के बौद्ध धर्मगुरु पहुंचे हैं।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 433 डिग्रियां होंगी प्रदान

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के चाणक्य परिसर स्थित राजकुमार शुक्ल सभागार में बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह, जनसंपर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्याम नंदन, जनसंपर्क अधिकारी शेफालिका मिश्रा और समिति के सदस्य डॉ. कुंदन किशोर रजक, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा और डॉ. आशा मीना उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इसे विश्वविद्यालय और मोतिहारी के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली क्षण बताया। उन्होंने कहा, "यह दीक्षांत समारोह न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों का उत्सव है बल्कि हमारे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। यह समारोह सभी शिक्षकों, छात्रों और प्रशासन की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। पहली बार 47 पीएच.डी. डिग्रियां प्रदान की जाएंगी, जो हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।" दीक्षांत समारोह में कुल 433 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 40 स्वर्ण पदक मेधावी छात्रों को दिए जाएंगे। इस अवसर पर प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा, "दीक्षांत समारोह भारतीय सांस्कृतिक विरासत को दर्शाएगा। विशेष पोशाक हमारी परंपरा का प्रतीक है और छात्रों में गर्व का भाव पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई है।" दीक्षांत समारोह में पुरुष छात्रों के लिए कुर्ता-पायजामा और उत्तरीय तथा महिला छात्रों के लिए लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ी, लाल ब्लाउज और उत्तरीय निर्धारित किया गया है। विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग रंग की पगड़ी/सफा रखी गई है। कुलपति और गणमान्य अतिथियों के लिए भगवा, डीन और परिषद सदस्यों के लिए बैंगनी, पीएच.डी. छात्रों के लिए मैरून, स्नातक छात्रों के लिए मैजेंटा, और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए पीला। डॉ. श्याम नंदन ने कहा, "तैयारियां जोरों पर हैं और सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाएगा, ताकि यह आयोजन छात्रों और उपस्थित लोगों के लिए यादगार बन सके।" यह दीक्षांत समारोह शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव है और विश्वविद्यालय की विरासत और मोतिहारी की शैक्षिक पहचान में एक नई पहचान जोड़ने जा रहा है।

यह दीक्षांत समारोह न केवल विश्वविद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक गर्व का विषय है। विश्वविद्यालय इसे पूर्णतः सफल बनाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

समारोह की रहेगी मुख्य विशेषताएं

- 433 छात्रों को प्रदान की जाएंगी डिग्रियां।
- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय अपने इतिहास में पहली बार 47 पी.एच.डी. डिग्रियां प्रदान करेगा।
- साफा/पगड़ी के रंग विभिन्न शैक्षणिक समूहों का प्रतिनिधित्व करेंगे:

भगवा: कुलपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए
बैंगनी: डीन, विभागाध्यक्ष, और कार्यकारी एवं शैक्षणिक परिषद के सदस्य
मैरून: पी.एच.डी. प्राप्तकर्ता
गुलाबी: स्नातक छात्र
पीला: परास्नातक छात्र

जल जीवन हरियाली योजना अंतर्गत संचालित कार्यों को लेकर डीडीसी ने की बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

उप विकास आयुक्त शम्भु शरण पांडे की अध्यक्षता में सात निश्चय 1 एवं 2, जल जीवन हरियाली के अंतर्गत संचालित योजनाओं की की समीक्षा बैठक आयोजन बुधवार को किया गया। उक्त बैठक में सात निश्चय की सभी योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा में कुशल युवा कार्यक्रम में छात्रों को प्रशिक्षित किए जाने में तेजी लाने हेतु जिला नियोजन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। हर खेत सिंचाई की पानी अंतर्गत जल संसाधन तथा लघु जल संसाधन विभाग के अंतर्गत लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया गया। ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्य में तेजी लाए जाने हेतु लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के जिला समन्यवयक को निर्देशित किया गया। सम्बंधित पदाधिकारियों को दिनांक 10 दिसम्बर तक कार्य प्रारभ/चिन्हित योजनाओं को पूर्ण कर प्रतिवेदित किए जाने का निर्देश दिया गया साथ ही निदेशित किया गया की पदाधिकारी स्वयं स्थल निरिक्षण कर कार्य में प्रगति में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे। जल जीवन हरियाली योजना अंतर्गत कृषि/पंचायती/लागुजल संसाधन एवं अन्य विभागीय पदाधिकारी को लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में निदेशक, डीआरडीए/कृषि पदाधिकारी/जिला योजना पदाधिकारी/प्राचार्य पोल्टेकनिक कॉलेज/जिला शिक्षा पदाधिकारी/जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी/कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण/जल संसाधन/लोक स्वाथ्य अभियंत्रण/बीयूआईडीसीओ/जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा/कार्यपालक पदाधिकारी सभी नगर निकाय एवं बिहार विकास मिशन के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

पश्चिम चंपारण में हाथी का तांडव, घर में सो रही वृद्ध महिला बाल बाल बची

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला के मानपुर थाना क्षेत्र स्थित पुरैनिया गांव में जंगल हाथी ने बीती रात में जमकर तांडव मचाया। घर में सो रही वृद्ध कुसमी देवी को किसी तरह लोगों ने घर से निकाल लिया। मंगलवार की रात करीब दो बजे लोगों को ज्यादा आवाज में खड़खड़ाहट की आवाज मिली। लोग जबतक जगकर देखते तब तक हाथी ने राजेंद्र राय के घर को हाथी ने तहस-नहस कर दिया। उनकी मां कुसमी देवी उसी घर में सो रही थी। राजेन्द्र राय के बगलगीर शिव महतो ने हो हल्ला करते हुये सूझबूझ का परिचय देते हुये कुसुम देवी को घर से निकाल कर उनकी जान बचायी। उसके बाद ग्रामीणों के हो हल्ला करने और टार्च जलाने पर हाथी भागा लेकिन भागने के क्रम में हाथी ने पुरैनिया के ही रामप्रवेश महतो, दीपनारायण महतो, लाल बिहारी महतो और नरानयण गौरो के घरों को रौदते हुये पुरैनिया गांव से उत्तर गन्ना के खेत होते हुए जंगल की तरफ भाग गया । उसके बाद हाथी भागते हुये मानपुर बजार पहुंच गया। जहां पर दुकानदार राजेन्द्र साह और विंध्याचल पड़ित के दुकान के बगल में रखें नमक के बोरों को इधर उधर कर दिया। हाथी उसके बाद जंगल से सटे जिंगना गांव पहुंच कर केले के फसल सहित रबी फसलों को रौंद डाला। लोगों के हो हल्ला पर हाथी जंगल की ओर भागा।लोगों ने इस मामले की सूचना मानपुर वन कार्यालय को दिया।हाथी के इस तांडव से जंगल से सटे गांव चक्रसन ,मानपुर,पुरैनिया,लौकर,जिंगना, जसौली आदि गांव के लोगों में दहशत का आलम है। लोगों ने हाथी के डर से शाम होते ही घरों में दुबक जा रहे हैं। वही किसान खेतों की ओर जाना छोड़ दिये है।ठंड के इस मौसम में जंगल से सटे गांवों में हाथी के घुसने और फसलों को तबाह कर देने से लोगों में काफी दहशत है। फॉरेस्टर रूपा सिंहा ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। हाथियों को ट्रैक कर उसको जंगल की तरफ भेजने की कवायद शुरू कर दी गयी है। वन कर्मियों सहित पदाधिकारी भी हाथी को जंगल की तरफ भेजने का काम कर रहे है। बहुत ही जल्द हाथी को जंगल की तरफ भेज दिया जायेगा। लोगों को जंगल की ओर नहीं जाने की हिदायत दी गयी है।साथ ही कहीं भी हाथी दिखे तो उसे बिना किसी नुकसान के तुरंत वन कार्यालय को सूचना देने को कहा गया है।

एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल का मनाया गया 23वां वार्षिक स्थापना दिवस समारोह

बीएनएम। मोतिहारी

शहर मोतिहारी-अरेराज मार्ग अवस्थित बालगंगा के समीप एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल का 23वां वार्षिक स्थापना दिवस समारोह बुधवार को भव्य रूप से मनाया गया। विद्यालय की इस 23वां वार्षिक स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में स्कूल की जीवंत प्रतिभा और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया तथा दर्शकों को आकर्षक प्रदर्शनों और गतिविधियों की श्रृंखला से मंत्रमुग्ध कर दिया गया। इस कार्यक्रम में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के पुस्तकालय व सूचना विज्ञान विभाग के प्रमुख और डीन प्रोफेसर रंजीत कुमार चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अकादमिक क्षेत्र के दिग्गज प्रोफेसर चौधरी ने छात्रों, अभिभावकों और कर्मचारियों को अपने प्रेरक संबोधन में समग्र शिक्षा के महत्त्व पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉक्टर डॉ. सी.बी.सिंह, प्रो. वाइस चेयरमैन डॉ. विभु पराशर, प्रो. वाइस चेयरमैन डॉ. खुशबू कुमारी, संरक्षक नीलम कुमारी भी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि और प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। मौके पर छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक और आधुनिक नृत्य शैलियों, गीतों और नाटकीय कार्यक्रमों सहित शानदार प्रदर्शन करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य आकर्षणों में एक अंग्रेजी नाटक, साइबर सुरक्षा पर एक आकर्षक हिंदी नाटक और गतिशील नृत्य प्रदर्शन जैसे कि "जिंदा है तो", "बरसो रे मेघा" और एक डांडिया प्रदर्शन शामिल थे, जिसमें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाया गया। संस्थान के लिए गर्व का एक विशेष क्षण अपूर्वा का सम्मान था, जो मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर से पत्रकारिता और जनसंचार (2022-2024) में एम.ए. में अकादमिक टॉपर होने के लिए स्वर्ण पदक विजेता हैं। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे छात्रों को अपने शैक्षणिक प्रयासों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिली। इस समारोह का समापन चेयरमैन डॉ. सीबी सिंह के आशीर्वाद से हुआ और उन्होंने वार्षिक समारोह को शानदार सफल बनाने के लिए छात्रों और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की और अनुशासन पर महान जीवन की शिक्षा और महत्त्व भी बताए। इसके बाद प्रधानाचार्य सरदार सतनाम सिंह ने सभी गणमान्य व्यक्तियों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया, जिन्होंने 23वें वार्षिक समारोह को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण और कड़ी मेहनत की। इस 23वें वार्षिक स्थापना दिवस ने प्रतिभा को निखारने तथा ज्ञानवर्धक पथ प्रदर्शक बनकर शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है। विद्यालय समय– समय पर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करता रहेगा जिससे विद्या के क्षेत्र में छात्रों को नया मार्गदर्शन मिल सके।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सभी गांव को सड़क से मुख्यालय को जोड़ने का हो रहा है प्रयास:शशिभूषण

बीएनएम। रामगढ़वा

आने वाले डेढ़ साल के भीतर सुगौली विधानसभा क्षेत्र के रामगढ़वा प्रखंड के सभी ग्रामीण इलाकों में सड़कों का जाल होगा ।सड़क निर्माण कार्य होने से ग्रामीण इलाको का सीधा जुड़ाव प्रखंड मुख्यालय से हो जाएगा।उक्त बातें सुगौली के राजद विधायक ई शशि भूषण सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर एनएच 28 ए से मसना डीह रेलवे हाल्ट तक जोड़ने वाली सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास करते हुए कही ।इस दौरान स्थानीय विधायक ने ग्रामीण कार्य पथ विभाग रक्सौल प्रमंडल के तहत एक करोड़ 74 लाख की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया ।संवेदक मेसर्स अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य 1 किलो मीटर कालीकरण का निर्माण होगा ,जबकि साढ़े छह किलोमीटर सड़क का निर्माण पीसीसी से होगा ।वही विधायक ने प्रखंड के बेला पंचायत के शेखटोली से लेकर बोल्डरवा एनएच 28 तक करीब

डेढ़ किमी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया ।विधायक ने लोगो से कहा कि मेरा प्रयास है कि दोनों प्रखंड सुगौली व रामगढ़वा का कोई भी गांव सड़क से अछूता नही रहे।मौके पर जय किशोर यादव,योगी साह, सुरेंद्र यादव,निजी सचिव आशीष कुमार,पूर्व मुखिया पति तारिक जमाल,पूर्व मुखिया संजय पांडेय,शेख सेराजुल, आजाद मिया,जेड अहमद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पुराने दिग्गजजो ने बचाया अपना किला , महज दो नए चेहरों की हुई जीत

बीएनएम। कोटवा

प्रखंड के 12 पंचायतों में हुए चुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इन पंचायतों में 10 पुराने अध्यक्ष ने चुनाव जीता वही 2 नए चेहरों ने चुनाव में जीत हासिल किया है जबकि 3 निविरोध निर्वाचित हुए हैं और एक पैक्स बड़हरवा पूर्वी का चुनाव स्थगित हुआ है। डुमरा पैक्स में नया चेहरा रविरंजन कुमार उर्फ लल्लू मिश्रा ने 28 मत से जीत दर्ज किया है। वही उपेंद्र यादव भोपतपुर उतरी में 31 मत से जीत दर्ज कर पहली बार पैक्स की राजनीति में कदम रखा है। अहिरौलिया पंचायत में रानी शर्मा ने तीसरी बार जीत दर्ज करते हुए शिवशंकर प्रसाद को हराया है। इससे पूर्व उनके पति कुमार केशवम लगातार पैक्स अध्यक्ष रहे हैं। कोटवा में शंभूशरण सिंह ने रंजन सिंह को हराया।जगिरहा में संजय कुमार सिंह ने प्रमोद कुमार यादव के विरुद्ध बड़ी जीत दर्ज की।करिया में बृजकिशोर सिंह यादव ने नीरज यादव को लगभग 4 सौ मत के अंतर से हराया।जसोली में रेहाना खातून ने डॉक्टर अशरफ अली को हराया।पोखरा में नीलम देवी अमरेंद्र कुमार को कड़ी टक्कर देते हुए जीत दर्ज कराई। बड़हरवा कला पश्चिमी में अरुण कुमार मिश्रा ने चौथी बार जीत दर्ज करते हुए नंदकिशोर राय को हराया।मच्छरगवां में सुशील सिंह चौथी बार जीते हैं। वही महारानी भोपत पंचायत में राकेश कुमार ने संतोष कुमार को पराजित किया। इसके अलावे बेतिया बसन्त से निर्विरोध निर्वाचित अखिलेश कुमार , जसौली पट्टी से अरुण कुमसर सिंह को भी सर्टिफिकेट दिया गया है। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबन्ध रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बिहार महोत्सव में उप मुख्यमंत्री ने की घोषणा

बीएनएम। मोतिहारी। दिल्ली के शाह ऑडीटोरियम में 3 - 4 दिसम्बर को आयोजित होने वाले कला -संस्कृति के लोक रस रंग से सराबोर ' बिहार महोत्सव ' में उद्घाटन के पश्चात बिहार के उप-मुख्य मंत्री सह राज्य के कला- संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने घोषणा की कि डा. राजेश अस्थाना की फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह' को बिहार सरकार हर तरह की मदद देगी। मंच से उन्होंने बिहार फ़िल्म प्रोत्साहन नीति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। महोत्सव में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन व उप मुख्यमंत्री ने फिल्म के निर्देशक डा. राजेश अस्थाना को बिहार गौरव सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र का मंच संचालन करते हुए महोत्सव के प्रणेता प्रसाद रत्नेश्वर ने कहा कि बिहार एवं बिहार से बाहर रहनेवाले बिहारियों को एकजुट करने और बिहार की संस्कृति से पूरे देश को अवगत करने के उद्देश्य से इसका आयोजन किया गया है। उन्होंने फ़िल्म चम्पारण सत्याग्रह को बिहार में टैक्स फ्री करने की मांग की। मंच पर उपस्थित गांधी दर्शन समिति दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. ज्वाला प्रसाद ने भी फ़िल्म चम्पारण सत्याग्रह को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

जूनियर बालिका कबड्डी टीम का 8 को होगा गठन, निबंधन अनिवार्य

सीतामढ़ी में 14 से शुरू होगी तीन दिवसीय प्रतियोगिता

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार राज्य कबड्डी संघ ने 50 वीं गोल्डेन जुबली राज्यस्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता की तिथि व खेल स्थल की घोषणा कर दी है। जानकी स्टेडियम, डुमरा (सीतामढ़ी) में तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता 14 दिसंबर से शुरू होगी, जो 16 दिसंबर तक चलेगी। इसमें पूर्वी चंपारण की टीम भी शिरकत करेगी। यह जानकारी पूर्वी चंपारण कबड्डी संघ के सचिव भानू प्रकाश ने दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता को लेकर एसोसिएशन ने खिलाड़ी चयन ट्रायल की तिथि निर्धारित कर दी है। 8 दिसंबर को खेल भवन में चयन प्रतियोगिता होगी। चयन प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर पूर्वी चंपारण की 12 सदस्यीय टीम का एलान किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों का चार दिवसीय कैंप भी लगेगा। सचिव ने बताया कि चयन प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों को अपना निबंधन कराना अनिवार्य है। निबंधित खिलाड़ी ही चयन प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। संघ के मुख्य संरक्षक मुन्ना गिरि, अध्यक्ष अमित कुमार, धर्मवीर प्रसाद, अरूणजी, टिंकूजी, शैलेंद्र मिश्र बाबा, रश्मि रंजन, बेनजीर खान, पूर्णिमा यादव, कोमल अंतिमा आदि पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता में टीम के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जाहिर की है। इस आशा की जानकारी शैलेन्द्र मिश्र बाबा ने दी।

बेला पैक्स का चुनाव हुए रद्द,9 दिसम्बर को पुनः चुनाव

बीएनएम। रामगढ़वा: विगत 26 नवम्बर को सम्पन्न हुए बेला पैक्स के अध्यक्ष का चुनाव डीसीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर प्राधिकार ने रद्द करते हुए 9 दिसम्बर को पुनः नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया है ।बता दे कि विगत 26 नवम्बर को हुए बेला पैक्स के चुनाव में मतगणना के दौरान 113 मतपत्र जाली निकला था ,जिसके बाद निर्वाची पदाधिकारी राकेश कुमार ने मतगणना कार्य को रोकते हुए इसकी जानकारी डीएम व डीसीओ को दी थी ,जिसके बाद डीएम ने डीसीओ को मतपत्र मामले की जांच कर रिपोर्ट को सौंपने का निर्देश दिया था ,तत्पश्चात डीसीओ प्रिंस अनुपम व बीडीओ राकेश कुमार ने रामगढ़वा उच्च विद्यालय में पहुंच कर मतपत्रों की जांच कर डीएम को रिपोर्ट सौंपी थी ,जिसके बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए डीएम ने राज्य निर्वाचन प्राधिकार को भेजा ,जिसके बाद प्राधिकार ने डीएम को ईमेल भेज कर चुनाव को रद्द करते हुए नए सिरे से चुनाव कराने व उसी दिन मतगणना कराने का निर्देश दिया है ।वही बीडीओ राकेश कुमार ने बताया कि चुनाव की तैयारी शुरू कर दी गयी है ।

कचरा उठाने के लिए ई रिक्शा,ठेला को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बीएनएम। तेतरिया

प्रखंड के पुनास लहलादपुर पंचायत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम के तहत गांव को स्वच्छ बनाने के लिए घर घर से कचरा उठाने के लिए बीडीओ राधवेंद्र कुमार, मुखिया प्रभावती देवी ने ई - रिक्शा,पैंडल रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर कचरा उठाने के लिए रवाना किया।इस अवसर पर बीडीओ ने गांव के लोगों से अपील किया की घर का कचरा इधर उधर नहीं फेक कर स्वच्छता कर्मियों को कचरा दे। कचरा जमा करने के लिए प्रत्येक घर को खूखा,गिला कचरा रखने के लिए दो दो डब्बा का वितरण किया गया। स्वच्छता कर्मियों से नियमित घर घर जाकर कचरा उठाने का आदेश दिया। मौके पर स्वछता अभियान के प्रखंड समन्वयक हरेंद्र प्रसाद, उपमुखिया राहुल कुमार यादव,विधान परिषद महेश्वर सिंह के तेतरिया प्रखंड प्रतिनिधि उपेंद्र सहनी, पंचायत सचिव अनिल कुमार, वार्ड सदस्य देवेन्द्र कुमार यादव सहित सभी वार्ड सदस्य, ग्रामीणों उपस्थित थे।

डा. अब्दुल खबीर अध्यक्ष व डा. एस एम मिन्नतुल्लाह बने नीमा के सचिव

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन नीमा 2 की बैठक बुधवार रविन्द्र नाथ मुखर्जी आयुर्वेदिक महाविद्यालय मोतिहारी स्थित महाराजा हरेन्द्र किशोर सिंह अस्पताल में हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक डा. जलालुद्दीन ने की। मौके पर आगामी सत्र 2024-2026 के लिए सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया। जानकारी देते हुए नीमा मीडिया प्रभारी डा. मो नेजामुद्दीन ने बताया कि आगामी सत्र के पुनः डा. अब्दुल खबीर को अध्यक्ष व डा. एस एम मिन्नतुल्लाह को सर्वसम्मति से सचिव चुना गया है। जबकि डा. सुधीर कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष, डा. तनवीर आलम व डा. अतिकुर्रहमान को उपाध्यक्ष, डा. नौशाद व डा. खैरूल होदा को संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। इनके अलावा डा. एमयू अख्तर, डा. हामिद एकबाल, डा. मंतोष कुमार व डा. धीरज कुमार का राज्य प्रतिनिधित्व के लिए किया गया है। बैठक में डा. मोबीन हाशमी, डा. आर आर चौरसिया, डा. रजनीश कुमार, डा. इम्तेयाज उल हक, डा. आदिल खान, डा. इमाम हुसैन, डा. कुमार आशीष, डा. नीतेश कुमार, डा. फैसल आलम आदि ने भाग लिया। मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष व सचिव ने कहा कि जल्द ही कमेटी का विस्तार किया जाएगा।

कोटवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन निर्माण का रास्ता साफ

बीएनएम। कोटवा

कोटवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय एवं आवासीय भवन के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। विधायक के सवाल के जवाब में सदन में सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि भवन निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। भवन निर्माण के लिए सरकार के द्वारा 2.5 एकड़ जमीन हस्तांतरित कर ली गई है। कोटवा मुख्यालय में कार्यालय और बथना पंचायत के सिरसिया में आवासीय भवन का निर्माण कराया जायेगा। मालूम हो कि प्रखंड सह अंचल की स्थापना 1994 में हुई थी। तीस वर्षों बाद भवन निर्माण की आशा जगने से लोगों में खुशी की लहर है। 2.5 एकड़ भूमि की गई हस्तांतरित- कोटवा मौजा में भवन निर्माण के लिए खाता 282 खेसरा 3515 में 65 डिसमिल एवं खाता 68 खेसरा 3516 में 89 डिसमिल तथा सिरसिया में खाता 112 खेसरा 477 में 96 डिसमिल जमीन को सरकार द्वारा हस्तांतरित किया गया है। इसमें आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। भवन निर्माण के लिए वर्षों से हो रहा था प्रयास -प्रखंड सह अंचल एवं आवासीय भवन के लिए विधायक मनोज कुमार यादव लगातार प्रयास में लगे थे। सदन के चार सत्रों में लगातार इसके लिए आवाज उठाते रहे। इसके लिए विगत तीन वर्षों से तारांकित प्रश्न, अल्पसूचित, शून्यकाल, निवेदन, याचिका के माध्यम से आवाज उठाया गया। साथ ही तीन बार गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से भी भवन निर्माण के लिए सवाल उठाए गए। बताते हैं विधायक-विधायक मनोज कुमार यादव ने बताया कि प्रखंड सह अंचल कार्यालय के भवन निर्माण को लेकर लोग लगातार मांग कर रहे थे। इसके लिए सदन में हमेशा आवाज उठाया जाता रहा। शुक्रवार को सदन में मंत्री ने घोषणा की कि जमीन को हस्तांतरित कर लिया गया है।

बृजनंदन पासवान का आईसीएसएसआर फेलोशिप 2024 में हुआ चयन

बीएनएम। मोतिहारी

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा संचालित डॉक्टोरल फेलोशिप 2024 के लिए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के मीडिया अध्ययन विभाग के शोधार्थी बृजनंदन पासवान का चयन हुआ है। बृजनंदन पासवान मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय विषय भारत और नेपाल के संबंध में मीडिया की भूमिका पर शोधरत है। शोधार्थी बृजनंदन पासवान पूर्व में यूजीसी द्वारा आयोजित पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय से नेट परीक्षा भी पांच बार उत्तीर्ण कर चुके हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बृजनंदन पासवान को बधाई देते हुए कहा कि बृजनंदन पासवान की यह उपलब्धि मीडिया के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। उन्होंने मीडिया अध्ययन विभाग की सराहना करते हुए कहा कि विभाग अपनी शैक्षणिक और रचनात्मक गतिविधि में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने बधाई देते हुए कहा कि बृजनंदन पासवान के शोध कार्य से समाज को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने बृजनंदन पासवान को मेधावी और सजग शोधार्थी बताया। सीएस एंड आईसीटी के डीन प्रो.रंजीत कुमार चौधरी ने इस उपलब्धि पर विभाग और छात्र बृजनंदन पासवान को बधाई देते हुए कहा की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। शोध निर्देशक डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि शोधार्थी बृजनंदन पासवान परिश्रमी है और उनका शोध भारत और नेपाल के बीच संबंधों को लेकर एक नया आयाम स्थापित करेगा। इस उपलब्धि पर विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील दीपक घोड़के, डॉ. साकेत रमण, डॉ. उमा यादव सहित शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने बृजनंदन पासवान को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामलें एफआईआर दर्ज

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के कर्माबारी गांव की एक मां ने अपने चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म करने के प्रयास करने का आरोप लगाते हुए अपने पड़ोसी के विरुद्ध वाल्मीकि नगर थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई है।उसने अपने आवेदन में लिखा है, कि मंगलवार की शाम लगभग पांच बजे अपने घर में कपड़ा धो रही थी, तभी अपनी बच्ची की रोने की आवाज पड़ोसी के घर में सुनी, तब वह पड़ोसी के घर पहुंची, तब देखी कि उसका पड़ोसी राजन कुमार अपने घर में उसकी बच्ची को बिस्तर पर लेटा रखा है और बच्ची रो रही थी। जब मैं अपनी बच्ची को गोद में उठाया, तो देखा कि उसका फ्रॉक भीगा हुआ था, उससे पूछी कि तुम मेरी बच्ची के साथ क्या कर रहा था।तब मेरे साथ गाली गलौज करते हुए अपने दरवाजे से भगा दिया।जिस पर मैं थाने के आपात सेवा 112 को बुलाई।इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए वाल्मीकि नगर "थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह" बताया कि आवेदन के आलोक में अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में फॉरेंसिक के टीम को बुलाया गया है, जो टेक्निकल रूप से जांच कर रही है।जांच रिपोर्ट के अनुसार अग्रेत्तर कार्रवाई की जायेगी।तब तक गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

> थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन के आलोक में थाना कांड संख्या 111/24 दर्ज करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है

पुलिस और जेल व्यवस्था

मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? एलान सचमुच बड़ा है। आशा है कि इसके पीछे इरादा भी नेक होगा। इसके बावजूद जिस भावना से घोषणा हुई है, उसके जमीन पर उतर सकने को लेकर कुछ सवाल मौजूद हैं। एलान यह है कि ऐसे विचाराधीन कैदियों को रिहा किया जाएगा, जो अपनी संभावित सजा का एक तिहाई हिस्सा काट चुके हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने धीमी न्याय प्रक्रिया से निपटने के लिए नई पहल की घोषणा की। उन्होंने दो-टूक कहा कि छोटे अपराधों के आरोप में बंद ऐसे कैदियों को जमानत दी जाएगी, जिन्होंने अपनी संभावित सजा का एक-तिहाई हिस्सा काट लिया है। इसके पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले वर्ष संविधान दिवस पर अपने भाषण में जेलों में बढ़ती भीड़ की ओर ध्यान खींचा था। उन्होंने न्याय की ऊंची लागत की समस्या का जिक्र करते हुए शासन की तीनों शाखाओं– कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका– से इसका समाधान खोजने की अपील की थी। बहरहाल, कुछ व्यावहारिक सवाल हैं। मुख्य मुद्दा यह है कि ये समस्या पैदा ही क्यों हुई है। स्पष्टतः इसकी जड़ें आपराधिक न्याय प्रक्रिया पर अमल से जुड़ी है। प्रश्न है कि क्या पुलिस और जेल व्यवस्था में बुनियादी सुधार के बिना कोई ठोस व्यावहारिक समाधान निकल सकता है? फिर मसले का संबंध न्यायपालिका से भी जुड़ता है। न्यायपालिका में जजों की भारी कमी और जमानत के मौजूदा धन-आधारित मॉडल का विकल्प ढूंढे बिना उपरोक्त नेक इरादे को अमली जामा पहना सकना कठिन हो सकता है। दरअसल, आधुनिक न्याय व्यवस्था में जैसाकि कहा जाता है, बेल नियम और जेल अपवाद होना चाहिए। यानी जमानत मिलना सभी मामलों में सामान्य नियम होना चाहिए। मगर कई ऐसे मामले हैं, जिनमें राजनीतिक मकसदों से व्यक्तियों पर गंभीर इल्जाम मढ़ दिए जाते हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में यह चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। ऐसे मामलों का क्या समाधान होगा? यानी समस्या का एक सूत्र सरकार के अपने नजरिए में भी है। कुल नतीजा जेलों में भारी भीड़ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2024 की शुरुआत तक 1,34,799 लोग सुनवाई के इंतजार में जेलों में बंद थे, जिनमें से 11,448 पांच साल से ज्यादा समय से बिना सजा के जेल में हैं।

इच्छा शक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण

हम और आप जब भी कोई वाहन ख़रीदते हैं तो हम उस वाहन की क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है? बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादलों ने घेर रखा है। इससे आम जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियाँ लगा दी हैं। इसके चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इन पाबंदियों के चलते कई रोजग़ारों पर भी असर पडऩे लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मज़दूर वर्ग इन पाबंदियों के चलते सबसे अधिक परेशान है। तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफ़ी बहस हो रही है। परंतु क्या किसी ने हमारे देश में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात की है? क्या केवल निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? ऐसे अनेकों कारण हैं जिन पर अगर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है। सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस बात पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि एक विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हाँ और नहीं दोनों ही है। यदि कोई वाहन, जो कि पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाण पत्र नहीं है तो निश्चित रूप से ऐसे वाहन को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय माणकों की सीमा में पाया जाता है तो उसे प्रतिबंधित करने का क्या औचित्य है? हम और आप जब भी कोई वाहन ख़रीदते हैं तो हम उस वाहन की क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाडिय़ों को चलाने के लिए साफ़-सुथरी और बेहतरीन सडक़ें मिलती हैं? टूटी-फूटी सडक़ों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या देश भर में सडक़ों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सडक़ों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफिक़ जाम हो जाता है। ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिफऱ् अपना समय ज़ाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी ज़ाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज़्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सडक़ों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। इसके साथ ही ट्रैफिक़ नियंत्रण की समस्या भी एस समस्या है जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। मिसाल के तौर पर आपको आपके शहर में ऐसे कई चौराहे मिल जाएँगे जहां लाल-बत्ती की अवधि ज़रूरत और ट्रैफिक़ के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक़ की लंबी क़तारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी क़तारें लगती हैं। ज़्यादातर क़तारें ट्रेफिक के पीक घंटों में लगती हैं। यदि उस समय ट्रैफिक़ पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से क़ाबू पाया जा सकता है। इसके लिए कुछ मामूली से ही परिवर्तन लाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस को वास्तविकता समझनी होगी

अजीत द्विवेदी

मीर तकी मीर का शेर है, 'पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है, जाने न जाने गुल ही न जाने बाग तो सारा जाने है'। कांग्रेस का भी यही हाल है। उसका हाल सारी दुनिया को पता है। सारे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं कि उसकी क्या कमी है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां, जो उसके गठबंधन में हैं या नहीं हैं उन सबको भी पता है कि कांग्रेस की क्या कमजोरी है और भाजपा के शीर्ष नेता खास कर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को तो उसकी हर नस के बारे में पता है। सिर्फ कांग्रेस है, जिसको अपने हाल की कोई खबर नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को अपनी कमजोरियों का पता नहीं है। गांधी परिवार अब भी इस मुगालते में है कि उसे सिर्फ मुख्य विपक्षी पार्टी बने रहना है, बाकी सारी चीजें अपने आप हो जाएंगी। जैसे 1977 में हारे तो 1980 में सत्ता में आ गए या 1989 में हारे तो 1991 में आ गए या 1996 में हारे तो 2004 में आ गए वैसे ही 2014 में हारे हैं तो क्या हो गया अगर मुख्य विपक्षी बने रहते हैं तो फिर अपने आप सत्ता में आ जाएंगे। कांग्रेस नेता इस बात से भी सबक नहीं ले रहे हैं कि लगातार दो चुनावों में लोकसभा में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था और एक एक करके वह राज्यों में भी यह दर्जा गंवाती जा रही है। क्या किसी ने सोचा है कि कितने बड़े राज्य हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं है? जिन राज्यों में वह हाल के दिनों तक सत्ता में थी वहां से भी ऐसे उखड़ी है कि अब विपक्ष में भी जगह नहीं है। दिल्ली में लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। आंध्र प्रदेश में दो चुनाव लगातार जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। पश्चिम बंगाल में पिछली विधानसभा में उसके 40 विधायक थे और इस बार वह शून्य पर है। लगभग एक दर्जन राज्यों में उसका एक भी विधायक नहीं है। उसने गुजरात और महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा गंवा दिया है। 403 विधायकों वाली उत्तर प्रदेश में उसके सिर्फ दो विधायक हैं। ये आंकड़े कांग्रेस के भविष्य की बहुत बुरी तस्वीर पेश कर रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को इसकी या तो खबर नहीं है या परवाह नहीं है।

लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने के बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस की बुनियादी समस्याओं को रेखांकित करने वाले सैकड़ों लेख लिखे गए हैं और हजारों नहीं, बल्कि लाखों सोशल मीडिया पोस्ट्स लिखी गई हैं। कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने कई तरह से समझाया है कि कांग्रेस की असली समस्या क्या है और उसे कैसे दूर किया जा सकता है। पता नहीं कांग्रेस में किसी ने इनकी नोटिस ली या नहीं लेकिन कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होने जा रही है। शुक्रवार, 29 नवंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होगी, जिसमें हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजों की समीक्षा होगी। पता नहीं जम्मू कश्मीर के नतीजों की समीक्षा क्यों नहीं होगी, जहां कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस की सीटें 15 से बढ़ कर 40 हो गईं और कांग्रेस की संख्या 12 से घट कर सात रह गई? कांग्रेस को निश्चित रूप से इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए। अगर वह नहीं करती है तो इसका मतलब है कि उसका इरादा ईमानदार समीक्षा करने का नहीं है, बल्कि औपचारिकता निभाने का है। बहरहाल, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस की जो समस्याएं उभर कर सामने आई हैं उनमें पहले नंबर पर यह है कि कांग्रेस सहयोगी पार्टियों की चिंता नहीं करती है। वह जरा सी ताकत मिलते ही धौंस दिखाने लगती है और बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद उसने लोकसभा में जरूर समझौता किया और कम सीटों पर लड़ी लेकिन प्रदर्शन सुधरते ही उसने सहयोगियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने हरियाणा में समाजवादी पार्टी की मांग ठुकराई तो आम आदमी पार्टी को अकेले लडऩे दिया। इसी तरह महाराष्ट्र में जब लोकसभा चुनाव में शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ी थी और नतीजे महा विकास अघाड़ी के पक्ष में आए थे तो विधानसभा चुनाव में भी क्यों नहीं शिव सेना को ही बड़ी पार्टी के तौर पर लडऩे दिया गया? अगर शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ती तो उद्धव ठाकरे के सीएम का चेहरा होने का संदेश जाता है और तब शिव सैनिक एकजुट हो सकते थे। अगर कांग्रेस ने आखिरी समय तक ज्यादा सीट की खींचतान में मामला नहीं लटकाए रखा होता तो तस्वीर कुछ और होती। कांग्रेस की दूसरी कमी यह उभर कर आई है कि वह गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ती है। अभी के चुनावों में उसने सिर्फ वायनाड लोकसभा का उपचुनाव गंभीरता से लड़ा और उसका नतीजा यह हुआ कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी से ज्यादा वोट से चुनाव जीता। वहां वैसे भी कांग्रेस जीत रही थी लेकिन पूरी पार्टी ने जी जान लगा दी। प्रियंका वहां डटी रहीं तो राहुल ने चार दिन सभाएं कीं। सोचें, एक लोकसभा सीट पर राहुल का चार दिन जाना और दूसरी ओर झारखंड में सिर्फ छह सभाएं करना! झारखंड में कांग्रेस जीत गई, लेकिन वह कांग्रेस की जीत नहीं है, बल्कि जेएमएम की लहर की जीत है। हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति की लहर थी और साथ ही भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे के खिलाफ एक दूसरा ध्रुवीकरण था, जिसका फायदा कांग्रेस और राजद दोनों को मिला। लेकिन बाकी जगह ऐसा नहीं था तो महाराष्ट्र और हर राज्य के उपचुनाव में कांग्रेस की बुरी दशा हुई। वह न तो महाराष्ट्र में गंभीरता से लड़ी और न झारखंड में और न उपचुनावों में कोई गंभीरता दिखाई दी। कांग्रेस की तीसरी कमी यह उभर कर आई है कि उसका संगठन बहुत ही कमजोर है और संगठन से जुड़े फैसले तो भयावह ही है, जैसे झारखंड में कांग्रेस ने चुनाव से तीन महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बदला था। यह तो एक मिसाल है लेकिन ओवरऑल कांग्रेस का संगठन बहुत लचर है। नीचे से ऊपर तक संगठन में इक्का दुक्का लोगों को छोड़ दें तो अयोग्य, निकम्मे या भितरघात करने वाले नेता भरे हैं। कांग्रेस की राजनीतिक पूंजी का लगातार क्षरण होता जा रहा है लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों का अहंकार कम नहीं होता है। यह हकीकत है कि जिन्हें जिम्मेदारी मिलती है वे कुछ

नहीं करते हैं और जिन्हें जिम्मेदारी नहीं मिलती है वे अपनी ही पार्टी की हार पर खुशी मनाते हैं। कांग्रेस के पास प्रतिबद्ध नेताओं की कमी है। वे पार्टी हित में काम नहीं करते हैं, बल्कि अपना स्वार्थ सबसे ऊपर होता है। प्रभारी या छटंनी समिति के प्रमुख का फोकस इस बात पर नहीं होता है कि जीतने वाला उम्मीदवार चुनें, बल्कि उसे ऐसे उम्मीदवार चुनने होते हैं, जो टिकट के लिए पैसे दे सके। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां भी इससे परेशान रहती हैं। कांग्रेस की चौथी कमजोरी शीर्ष नेतृत्व की निष्क्रियता है। राहुल गांधी दिन रात राजनीति में नहीं खपे रहते हैं और न कठोर फैसले करते हैं। वे चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि राजनीति 24 घंटे का काम है। कांग्रेस नेताओं के बारे में यह आम धारणा है कि अगर राहुल गांधी सोते जागते राजनीति नहीं करेंगे और सब पर नजर नहीं रखेंगे तो कांग्रेसी सब कुछ बेच खाएंगे। ऐसी स्थिति राहुल गांधी की अनिश्चित व तदर्थ राजनीति की वजह से है। चुनाव नहीं चल रहे हों तो वे संगठन का काम करने की बजाय उसको फुरसत का समय मानते हैं। उनके साथ दूसरी मुश्किल यह है कि उनको चाहने वालों और कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की दुर्दशा के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि उनके सलाहकार और दूसरे नेता जिम्मेदार है।

हकीकत यह है कि कांग्रेस की दुर्दशा की सारी जिम्मेदारी राहुल की है। जब तक वे खुद राजनीति नहीं करेंगे, सब पर नजर नहीं रखेंगे, सारे फैसले खुद नहीं करेंगे या प्रतिबद्ध नेताओं की पहचान कर उनको फैसले की जिम्मेदारी नहीं देंगे, सीधे जमीनी स्तर पर संपर्क नहीं बढ़ाएंगे, तब तक कुछ नहीं हो पाएगा। हो सकता है कि कांग्रेस के सारे नेता मिल कर कार्य समिति की बैठक में यह चर्चा करें कि ईवीएम की वजह से हारे हैं और इसलिए ईवीएम के खिलाफ आंदोलन चलाया जाना चाहिए। परंतु कांग्रेस को यह वास्तविकता समझनी होगी कि उसकी दुर्दशा के अगर एक सौ कारण हैं तो ईवीएम उसमें आखिरी यानी एक सौवां कारण होगा। उसे पहले 99 कारणों को पहचान कर उन्हें ठीक करना होगा और उसके बाद भी अगर स्थिति नहीं सुधरती है तब ईवीएम पर आरोप लगाना चाहिए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ एकजुट आतंकी व कट्टरपंथी संगठन

रमेश शर्मा

बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ आतंकवादी और कट्टरवादी संगठन एकजुट हो गये हैं। हिन्दुओं पर धर्मान्तरण का दबाब बनाया जा रहा है। चटगाँव में तो एक हिन्दु परिवार को अंतिम संस्कार करने से भी रोका गया। इन कट्टरपंथी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान का हाथ है। जबकि चीन ने कट्टरपंथ इस्लामिक प्रतिनिधियों को अपने यहाँ दावत पर बुलाया है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के साथ हिन्दुओं पर हमले आरंभ हो गये थे जो अब चार महीने बाद भी रुकने का नाम नहीं ले रहे। हिन्दुओं के धर्मस्थलों पर लगातार हो रहे हमलों में बांग्लादेश में सक्रिय आतंकवादी संगठन, इस्लामिक धर्मगुरु और मुस्लिम कट्टरपंथी एकजुट हैं। इन्हें कथित साम्यवादी शक्तियों का भी समर्थन है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध यह गठबंधन ठीक उसी प्रकार है जैसे अगस्त 1946 मुस्लिम लीग के डायरेक्ट एक्शन के समय देखा गया था। हिन्दुओं पर हमलों का वह दौर भी लंबा चला था और बंगाल व पंजाब में हिंसा भारत विभाजन तक जारी रही थी। वैसी ही हिंसा अब दिख रही है। गाँव-बस्ती की बात नहीं बांग्लादेश की जेलों में बंद हिंदू भी सुरक्षित नहीं रहे। जेल के भीतर भी हिंदुओं को निशाना बनाने की खबरें आ रहीं हैं। हसीना सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेश की विभिन्न जेलों में लगभग 700 आतंकवादी बंद थे, जो रिहा कर दिये गये। लगता है हिन्दुओं पर हमलों की यह तैयारी बहुत पहले से कर ली गई थी। इसका किसी को भनक तक न लगी। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का अभियान छात्र आंदोलन के नाम पर आरंभ हुआ था जिसमें हिन्दू छात्र भी सम्मिलित थे। लेकिन जैसे ही शेख हसीना ने बांग्लादेश देश छोड़ कर भारत में शरण ली, उसी दिन से हिंदुओं पर हमले शुरू हो गये। सबसे पहले भीड़ ने उन हिन्दू छात्रों को निशाना बनाया था जो आंदोलन में शामिल थे। उसके बाद नगरों और गांवों में हिन्दुओं पर हमले शुरू हुये। इन चार महीनों में हमलों की कितनी घटनाएँ हुईं इसका सही आंकड़ा नहीं है, चूंकि अधिकांश स्थानों पर स्थानीय पुलिस हमलावरों से मिली होती है। मीडिया में ढाका से कुछ वीडियो तो ऐसे भी आये जिनमें पुलिस की ड्रेस पहने व्यक्ति भी लूटपाट करते और महिलाओं को घसीटते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, चटगाँव के एक वीडियो में भीड़ ने हिन्दुओं को मृतक का अंतिम संस्कार करने से रोका और हिन्दू परिवार को अपने परिजन का अग्निदाह के बजाय उन्हें धरती में दफ्न करना पड़ा। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे ऐसे अमानवीय और क्रूरतम हमलों की कहानी बयान करने वाले कई वीडियो सामने आये हैं। इनमें से कुछ तो भारत के राष्ट्रीय चैनलों ने दिखाये भी गए हैं। इससे भारत में विरोध के स्वर उभरे तो अब बांग्लादेश सरकार ने ऐसी वीडियो पर रोक लगा दी है। पिछले तीन-चार दिनों से ऐसे वीडियो भारत नहीं आ पा रहे लेकिन हिन्दुओं पर हमलों घटनाएँ निरंतर घट रही हैं।

कट्टरपंथी संगठन चला रहे बांग्लादेश की सरकार-बांग्लादेश में जिस प्रकार हिन्दुओं और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है, यह सामान्य नहीं है। यह सबकुछ आतंकी और कट्टरपंथी संगठनों की योजना से हो रहा है। हमलों से स्पष्ट है कि बांग्लादेश में मोहम्मद युनूस की सरकार नाममात्र की है। परदे के पीछे इसका संचालन कट्टरपंथी संगठन कर रहे हैं। इसकी झलक उसी दिन मिल गई थी जब सरकार संभालते ही मोहम्मद युनुस ने कुछ आतंकी संगठनों से प्रतिबंध हटाया था। इन सभी आतंकी संगठनों के सिर पर पाकिस्तान और चीन, दोनों का हाथ है इसीलिए युनूस सरकार आंखें मूंदकर बैठी है। इन कट्टरपंथी संगठनों में जमात-ए-इस्लामी, जमात-उल-मुजाहिदीन, मुस्लिम ब्रदरहुड और हिफाजत-ए-इस्लाम शामिल हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार ढाका के इस्कान मंदिर पर हमले का आदेश हिफाजत-ए-इस्लाम ने दिया था। वहीं, जमात-ए-इस्लामी ने बांग्लादेश के हिन्दू मंदिरों को तोड़ने की खुली घोषणा कर रखी है। जमात-ए-इस्लामी के बारे में माना जाता है कि यह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करता है और इसका नेटवर्क भारत में भी है। जबकि जमात-उल-मुजाहिदीन पूरे बांग्लादेश में फैला है। बताया जाता है कि इस संगठन में दस हजार लड़ाके और एक लाख से अधिक कट्टरपंथी जुड़े हैं। इससे जुड़े लोगों में आधुनिक उच्च शिक्षित युवाओं से लेकर धर्मगुरु तक शामिल हैं। इस संगठन ने एक ऐसी विंग बना रखी है जिसके सदस्य अलग-अलग राजनीतिक दलों और एनजीओ में जुड़े हैं। इस संगठन के बारे में यह भी कहा जाता है भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर करने के लिये भारत में ड्रग्स और नकली नोटों का कारोबार भी करता है। इन सभी संगठनों के लोग खुलेआम सड़कों पर देखे जा रहे हैं और हिन्दुओं पर हमलों के लिये उकसा रहे हैं।

कट्टरपंथियों को चीन का भी समर्थन-जिस प्रकार भारत में वामपंथी संगठन सनातन पर हमला करने वालों को समर्थन देते हैं, उसी प्रकार बांग्लादेश में सक्रिय कथित वामपंथी संगठन और साम्यवादी चीन भी इन कट्टरपंथियों का खुल कर समर्थन कर रहा है। पिछले दिनों बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन ने ढाका में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया इसमें बंगलादेश के सभी इस्लामिक संगठनों को आमंत्रित किया। इनमें अधिकांश वे थे, जिनके हिन्दुओं पर हमला करने के लिये उकसाने वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनमें एक प्रमुख नाम बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफिकुर्रहमान का है। हिन्दुओं पर हो रहे हमलों को जमात-ए-इस्लामी जुड़े लोगों का हाथ भी माना जाता है। यह संगठन पाकिस्तान समर्थक है। शेख हसीना की सरकार ने इसपर बैन लगा दिया था। यूनुस सरकार ने पदभार संभालते ही जमात-ए-इस्लामी सहित मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे उन सभी कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटा लिया जिनपर पिछली सरकार ने प्रतिबंध लगाया था। बांग्लादेश में चीनी राजदूत याओ वेन द्वारा ढाका में बुलाये गये सम्मान समारोह में इन सभी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसी बैठक में इन सभी संगठनों के प्रतिनिधियों को चीन यात्रा का निमंत्रण दिया गया। यह निमंत्रण चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से था। यह निमंत्रण पर बांग्लादेश से इस्लामिक संगठनों का चौदह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चीन यात्रा पर रवाना हो गया। जो इसी सप्ताह लौटने वाला है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जमात-ए-इस्लामी के केंद्रीय नायब-ए-अमीर और पूर्व संसद सदस्य सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर कर रहे हैं। इनके अतिरिक्त इस्मे खलीफा मूवमेंट, खलीफा काउंसिल, इस्लामिक ऑर्डर पार्टी के प्रमुख सदस्य भी शामिल हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। दैनिक जीवन की गतिविधियां अच्छी चलेंगी। आपका मन अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन काफी अच्छा है। रचनात्मक काम से आपको धन लाभ होगा। काम पूरा होने के बाद सहकर्मियों का आभार व्यक्त करना न भूलें।

वृष राशिः आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। किसी सोंचे हुए काम की शुरुआत आज करेंगे। बेटे को सफलता मिलने से ख़ुशी का माहौल बनेगा। आपका दांपत्य जीवन सौहार्द्र से भरा रहेगा। आज किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। डाइजेस्टिव सिस्टम की समस्या से आपको आराम मिलेगा। आज भाई बहनों के बीच अनबन की स्थिति न बनने देने की कोशिश करें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। आज दांपत्य जीवन के अनबन को दूर करने की कोशिश करेंगे, आपका एक छोटा-सा प्रयास घरेलू जीवन अच्छा हो सकता है इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आपका काम मन-मुताबिक होगा। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा हो सकता है। परिवार में सुख समृद्धि का वातावरण रहेगा। आज पराक्रम और धैर्य की वृद्धि होगी। फैमिली का माहौल अगर खराब है तो अपनी समझदारी से और हंसमुख स्वभाव से परिवार का माहौल शांत रखने की कोशिश करेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आज बिजनेस में उत्साह के साथ आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन कर पाएंगे, आप से प्रतिस्पर्धा करने वाले एवं ईर्ष्या करने वालों के दांत खट्टे होंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे तो फायदा हो सकता है। आज आपको ऑफिस के रुके कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक फोकस करना चाहिए, जितना जल्दी हो सके काम को पूरा करने पर ध्यान दें। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहद खास है। वर्कप्लेस पर आपको किसी कार्य के लिए सहकर्मियों और सीनियर्स की मदद मिलेगी जिससे आपके कार्य पूर्णता की ओर बढ़ेंगे। पार्टनरशिप में बिजनेस करने वाले बिजनेसमैन को व्यापारिक मामलों को लेकर साझेदार से मीटिंग करेंगे। कपड़ा व्यापारियों को अधिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन शुभ है। व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। प्रशासनिक पद पर आसीन लोगों को पदोन्नति मिलने से खुशी होगी। नया वाहन लेने का विचार परिवार जनों से करेंगे। सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति हासिल होगी। पारिवारिक सुख सुविधाएँ बनी रहेंगी। संतान से सुख मिलेगा। समाज में लोगों से अच्छा तालमेल बनेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। सोचने की क्षमता में तेजी आयेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छे से निभायेंगे। लवमेट अपने रिश्ते की बात घरवालों से करेंगे। आज ससुराल पक्ष में कोई मांगलिक आयोजन की सूचना मिल सकती है, जिसमें आप शामिल होंगे, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। छात्रों की थोड़ी लापरवाही निराशा का पात्र बना सकती है, मेहनत जारी रखें।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। रोजमर्रा के कामों में व्यस्तता बनी रहेगी। कारोबार में रूका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। कोर्ट-कचहरी का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आज घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी हो सकती है। आज अचानक होने वाली कुछ गतिविधियों पर नजर रखें। आप जो भी काम करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉज़िटिव नज़रिया रखने से सब काम अच्छे से होंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपनी परेशानियों का समाधान ढूंढ लेंगे। किसी खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। इस राशि के जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं।

शब्द पहेली - 8332

बाएँ से दाएँ

1. सावधान,सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन,प्रतिज्ञा-2
6. हत्या,मर्डर-2
8. तब तक,अवधि में-4
10. चरित्र,लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा,आजादी-3
17. तट,किनारा-3
19. ईश्वर,भगवान -4
21. अधीन,काबू-2
23. नवीन,नवजात-2
24. लेखनी,पेन-3
25. लाईन,रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा,सदैव-2
2. विष,जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया,नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती,उछलकूद-3
8. स्वभाव,आदत-4
9. नुकसान,घाटा-2
12. कपोल,गाल-4
15. शान्ति,सन्नाटा-3
16. ताकत,दम,बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा,वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम,संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8331 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट दूसरे टेस्ट में कर सकते हैं ब्रैडमैन के एक रिकार्ड की बराबरी

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली यहां 6 दिसंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के 75 साल पहले बनाये गये 11 शतक के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। ब्रैडमैन ने 1930 से 1948 के बीच इंग्लैंड में 19 मैचों में 11 शतक लगाए थे। ये किसी भी विदेशी बल्लेबाज की ओर से एक देश में सबसे ज्यादा बनाये गये अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकार्ड है। वहीं कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में अब तक 43 मैचों में 10 शतक लगाए हैं। ऐसे में उन्हें ब्रैडमैन की बराबरी के लिए एक और शतक की जरुरत है। इस सूची में वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स ने इंग्लैंड में 8 शतक, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज में 7 शतक, सचिन तेंदुलकर ने श्रीलंका में 9 शतक के अलावा इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी जैक हॉब्स ने ऑस्ट्रेलिया में 9 शतक लगाये हैं। विराट ने ऑस्ट्रेलिया में 43 मैचों में 54.20 की औसत से कुल 2710 रन बनाए हैं। इसमें दिसंबर 2014 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर खेली गई उनकी 169 की सबसे बड़ी पारी भी शामिल रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट की पहली पारी में विराट केवल 5 रन ही बना पाये थे। इसके बाद दूसरी पारी में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 8 चौके और 2 छक्के की सहायता से 100 रन की पारी खेली थी। विराट के लय में आने से अब प्रशंसकों को उम्मीदे है कि वह दूसरे टेस्ट में भी बड़ी पारी खेलेंगे।

बुमराह का सामना करने तैयार हैं : कैरी

एडीलेड। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कैरी ने कहा कि गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दिन-रात के इस मैच में बुमराह सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों का सामना सामना करने वह बेहतर रणनीत के साथ उतरेंगे। बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजों को ढ़हा दिया था। कैरी ने कहा,'' बुमराह निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है पर हमारे बल्लेबाज भी किसी भी आक्रामण का जवाब देने का तरीका खोज ही लेते हैं।'' उन्होंने कहा,''हमने उसकी गेंदबाजी का आंकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने उसे जवाब दिया था।'' उन्होंने कहा,''हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका खोज लेंगे। भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरी थी और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।'' वहीं जोश हेज़लवुड के बल्लेबाजों को लेकर दिये बयान के बाद जहां टीम में दरार की बात की जा रही है वहीं कैरी ने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनका लक्ष्य शतक लगाना रहता है।

घबरायी हुई है ऑस्ट्रेलियाई टीम : गावस्कर

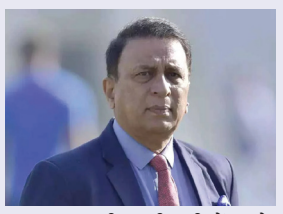

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहले टेस्ट में मिली करारी हार के दबाव से अभी तक ऑस्ट्रेलियाई टीम उबर नहीं पायी है। इसी कारण एडीलेड में 6 दिसंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम में घबराहट देखी गयी है। यही कारण है कि टीम में मतभेद तक उभर रहे हैं। इसी कारण तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठाये थे। पर्थ में पहले टेस्ट में भारत से 295 रनों से हारने के बाद मेजबान टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है। इसी कारण पूर्व खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे खिलाड़ियों को हटाने के लिए कहा है। गावस्कर ने कहा, हेजलवुड खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं पर ये हैरानी की बात है कि किसी ने भी हेज़लवुड को अनफिट नहीं देखा था। । उन्होंने पहले टेस्ट में बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की दूसरी पारी में उनके शानदार 161 रन के लिए सराहना की, और बताया कि कैसे उन्होंने पर्थ में छाने के लिए पहली पारी में आठ गेंदों पर शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में अपने खेल से ऑस्ट्रेलिया को और अधिक मुश्किल में डाल दिया। गावस्कर ने कहा, युवा यशस्वी जायसवाल ने दिखाया कि वह एक तेज सीखने वाला खिलाड़ी है, जो दूसरी पारी की शुरुआत में उसके बल्ले की ताकत से स्पष्ट था। वह दूसरे छोर पर केएल राहुल के मार्गदर्शन में जम गया जिससे मेजबान गेंदबाजों पर दबाव आ गया। वहीं विराट कोहली ने एक और शतक बनाने के लिए सलामी जोड़ी की दी गयी अच्छी शुरुआत का पूरा लाभ उठाया।। गावस्कर ने ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की पर्थ में तेज बल्लेबाजी के लिए प्रशंसा की। नितीश ने यहां 47 और नाबाद 38 रन बनाए, साथ ही एक विकेट भी लिया। गावस्कर ने कहा कि भारतीय पारी के दो शतक शानदार थे, जैसा कि 200 से अधिक की ओपनिंग साझेदारी थी, लेकिन सबसे प्रभावशाली पारी नितीश की थी। उन्होंने दिखाया कि क्या आवश्यक है, जिसने किसी को लगा नहीं कि वह पहला टेस्ट खेल रहे थे। पहली पारी में भी, उन्होंने रन बनाने के अवसरों का अच्छा लाभ उठाया। उनकी गेंदबाजी भी काम आई और उनका क्षेत्ररक्षण भी शानदार था। यह भविष्य के लिए एक और बेहतर खिलाड़ी है।उन्होंने कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह की उनके आठ विकेट के लिए प्रशंसा की, जिसने भारत को जीत की ओर अग्रसर किया।

एडीलेड में छठे नंबर पर उतरें रोहित : देवांग

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता देवांग गांधी ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 6 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में पारी शुरु करने की जगह पर नंबर 6 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। रोहित पर्थ में हुए पहले टेस्ट से बाहर थे। ऐसे में इस मैच में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पारी शुरु की थी। रोहित अब वह दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं पर अधिकतर लोगों का कहना है कि उन्हें पारी की शुरुआत न करते हुए मध्यक्रम में उतरना चाहिये। वह प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में भी रन नहीं बना पाये जिससे साफ है कि वह फार्म में नहीं हैं। ऐसे में उनका पारी शुरु करना ठीक नहीं रहेगा। इस पूर्व चयनकर्ता के अनुसार मध्यक्रम में एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भी नंबर 6 पर की थी, इसलिए समन्वय सथापित करना यह उनके लिए कोई बड़ी समस्या नहीं होगी। मुझे लगता है कि रोहित को नंबर 6 पर आना चाहिए, क्योंकि ऋषभ पंत भी नंबर 5 पर बहुत अच्छा खेल रहे हैं। इस तरह से दाएं-बाएं संयोजन भी बना रहेगा। "देवांग ने साथ ही कहा, "अगर कोई मध्य क्रम का बल्लेबाज अपने करियर में आगे जाकर सलामी बल्लेबाज बनने की कोशिश करता है।

सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा : रानी

रोहतक। पिछले महीने माह ही हॉकी को अलविदा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी हो सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।'' वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी। वहीं सीनियार हॉकी टीम को इस पूर्व कप्तान कहा है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारतीय टीम ने एक प्रकार से 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरु कर दी है। इससे पता चलता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। रानी ने कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। यह अच्छी शुरुआत है। इससे तय है कि कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।''

व्यापार

कर नोटिस जारी करते समय राजस्व से पहले अर्थव्यवस्था के हित का रखें ध्यान: राजस्व सचिव

नई दिल्ली। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यहां राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों से कहा कि वे तस्करी गिरोहों के सरगना को पकड़ें, लेकिन वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में बड़े व्यापारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने से पहले अर्थव्यवस्था के हित को भी ध्यान में रखें। संजय मल्होत्रा ने नई दिल्ली में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 67वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजस्व सचिव ने कहा कि विभाग के लिए प्रौद्योगिकी बदलाव के अनुरूप कौशल तथा कार्यबल को उन्नत करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सरगनाओं एवं आकाओं पर ध्यान केंद्रित करें और तस्करी गिरोहों का भंडाफोड़ करें। राजस्व सचिव ने अधिकारियों से कहा कि संभावित वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में शामिल व्यापारियों या व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई करते समय ''बेहद सतर्क'' रहने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ वस्तुओं पर समूचे उद्योग में कुछ कर मांगें तथा वर्गीकरण विवाद तकनीकी प्रकृति के हो सकते हैं, जिसके कारण बहुत अधिक डिमांड नोटिस जारी किए जाते हैं। वहीं, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के डिजिटल युग में वित्तीय अपराधों की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि तस्करों और अपराधियों ने पता लगाने से बचने के लिए तकनीक का लाभ उठाते हुए परिष्कृत तरीके अपनाए हैं। डीआरआई ने इन खतरों का मुकाबला करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक जैसे क्षेत्रों में कौशल वृद्धि और अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेजी से अनुकूलन किया है। इससे पहले राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल के साथ मिलकर "भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24" और अप्रैल से 24 सितंबर तक के डीआरआई बुलेटिन का अनावरण किया है, जिसमें संगठित तस्करी के रुझान, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग का विश्लेषण किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) देश में तस्करी विरोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 में माल के गलत वर्गीकरण तथा गलत घोषणा के जरिए 10 हजार करोड़ रुपये मूल्य की शुल्क चोरी का पता लगा था।

लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में दस्तक, एपेक्स इकोटेक ने कराया जोरदार मुनाफा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें से एपेक्स इकोटेक के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के तुरंत बाद लगभग डबल का मुनाफा करा दिया। इसी तरह आभा पावर एंड स्टील का आईपीओ लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वॉटर ट्रीटमेंट से जुड़ी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी एपेक्स इकोटेक के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 73 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन इसकी लिस्टिंग आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 138.70 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये शेयर 145.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया। एपेक्स इकोटेक का 25.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 457.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्सा 136.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए आरक्षित हिस्से में 1,179.62 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 329.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34,99,200 ने शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। आज ही रेलवे इंडस्ट्री के लिए उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी आभा पावर इंडस्ट्री के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 75 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज इनकी लिस्टिंग 9.20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 81.90 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 1 बजे ये शेयर 1.10 रुपये की मजबूती के साथ 76.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आभा पावर का 38.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को भी निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं, जबकि 31.04 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, मैन्युफैक्चरिंग फैसेलिटीज को अपग्रेड करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

मिनीरत्न कंपनी मॉयल ने नवंबर में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न कंपनी मॉयल लिमिटेड ने नवंबर, 2024 में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो स्थापना के बाद से नवंबर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चालू वित्त वर्ष 202425 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 11.80 लाख टन उत्पादन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 8.46 फीसदी अधिक है। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि बिक्री के मोर्चे पर भी कंपनी ने नवंबर में 1.33 लाख टन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 9.90 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 4.76 फीसदी अधिक है। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के 8 महीनों के भीतर मॉयल लिमिटेड ने एक हजार करोड़ रुपये का कारोबार के आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में एक महीने पहले ही हासिल किया गया है। इसी तरह अन्वेषण पर अत्यधिक जोर देते हुए मॉयल लिमिटेड ने अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 63,654 मीटर की अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.28 गुना अधिक है। मॉयल के सीएमडी अजीत कुमार सक्सेना ने कहा कि यह खुशी की बात है कि कंपनी ने उत्पादन और बिक्री दोनों में ही बेहतर प्रदर्शन की गति जारी रखी है। उन्होंने आगे कहा कि मॉयल की टीम एक और सफल वित्तीय वर्ष दर्ज करने के लिए तैयार है। मॉयल लिमिटेड, भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न शेड्यूल-ए उपक्रम है। इसकी स्थापना 1962 में मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड के रूप में हुई। इसके पश्चात वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान कंपनी का नाम मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड से परिवर्तित कर मॉयल लिमिटेड रखा गया है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, छह दिसंबर को होगा फैसलों का ऐलान

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक बुधवार को मुंबई में शुरू हो गई है। तीन दिनों तक चलने वाली बैठक में इस बार भी नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में बदलाव की संभावना कम है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 6 दिसंबर तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 6 दिसंबर को नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई एमपीसी की समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्यावज दर रेपो रेट को एक बार फिर अपरिवर्तित रख सकता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक के पास इस बार बहुत कम विकल्प होंगे, क्योंकि खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से ऊपर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फरवरी, 2023 से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। कोरोना महामारी से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था।

तीन दिनों की कमजोरी के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी के दाम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 400 रुपये से 4300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वरुण धवन की बेबी जॉन में सलमान खान का कैमियो कंफर्म

हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में वरुण धवन ने अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान के कैमियो को कंफर्म कर दिया है. कलीस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है इसी बीच चर्चा जोरों पर थी कि सलमान फिल्म में स्पेशल कैमियो में नजर आने वाले हैं. लेकिन इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ था. अब हाल ही में वरुण ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा हिंट दे दिया है जिससे कंफर्म हो गया है कि सलमान बेबी जॉन में नजर आएंगे. वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में हाल ही में एक्टर ने फिल्म के बारे में एक बड़ा हिंट दिया है. वरुण ने हाल ही में पुष्टि की है कि एक्शन-थ्रिलर में सलमान खान कैमियो करेंगे. इसका पता चलते ही फैंस की खुशी दोगुनी हो गई है, हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान उन्होंने कैमियो के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारी भी शेयर की. इस सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, भाई का कैमियो बेबी जॉन में कितने मिनट का है? इस पर वरुण ने जवाब दिया, मिनट नहीं बोलूंगा, इसका इफेक्ट काफी महीनों तक रहने वाला है. इससे पहले, बेबी जॉन के मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसे टेस्टर कट कहा जा रहा है. फिल्म में वरुण एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, और एक बेटी के सिंगल फादर भी हैं. बेबी जॉन के टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है, जो कि वरुण धवन की है. बच्ची अपने पापा वरुण के बारे में बताती है और दूसरी तरफ वरुण को टीजर में एक्शन करते दिखाया गया है. वरुण धवन पूरे टीजर में एक्शन लुक में ही दिख रहे हैं और वहीं टीजर में फिल्म की हीरोइन कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की झलक भी देखने को मिली है. दूसरी तरफ फिल्म में जैकी श्रॉफ बतौर विलेन नजर आने वाले हैं इसमें वे विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं और उनका लुक भी फिल्म के बेबी जॉन के देखने की एक्साइटमेंट बढ़ा रहा है. बेबी जॉन इस साल क्रिसमस पर रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है. एटली के साथ मिलकर जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म ए फॉर एप्पल स्टूडियो और सिने1 स्टूडियो का प्रोडक्शन है. फिल्म का निर्देशन कलीश ने किया है.

पुष्पा: द रूल का गाना पीलिंग्स जारी

अल्लू अर्जुन-रश्मिका की हाई एनर्जी देख झूम उठेगा दिल

साल की मोस्ट अवेटेड पुष्पा 2 का नया गाना पीलिंग्स फाइनली रिलीज हो गया है. हाल ही में मेकर्स ने इसका शानदार प्रोमो रिलीज करते हुए फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी तब से फैंस इस गाने का इंतजार कर रहे थे. अब अनाउंसमेंट के मुताबिक इसे रिलीज कर दिया गया है. उम्मीद के मुताबिक गाने की बीट्स शानदार है इसी के साथ अल्लू अर्जुन और रश्मिका की केमिस्ट्री ने इसे और भी खास बना दिया है. अपनी हाई एनर्जी के साथ अल्लू अर्जुन और रश्मिका ने महफिल लूट ली. सामी सामी जैसे गानों में अपनी केमिस्ट्री का लोहा मनवा चुकी रश्मिका और अल्लू अर्जुन की जोड़ी एक बार दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है. पीलिंग्स में अल्लू अर्जुन और रश्मिका की केमिस्ट्री वाकई कमाल की है. गाने की बीट के साथ ही अल्लू अर्जुन और रश्मिका के हाई एनर्जेटिक लटके-झटके आपको झूमने पर मजबूर कर देंगे. इससे पहले मेकर्स ने अल्लू अर्जुन और डांसिंग क्वीन श्रीलीला का किसिक डांस ट्रैक रिलीज किया जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं. इससे पहले अंगारों का... सॉन्ग को भी दर्शकों को खूब पसंद आया. इसके अलावा पुष्पा 2 के टाइटल सॉन्ग पर भी अल्लू अर्जुन की कुछ आईकॉनिक स्टेप्स रिलीज की थी जिसने फिल्म देखने के लिए दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी. पुष्पा 2: द रूल का प्रमोशन टूर पूरे जोरों पर है जिसके लिए पूरी टीम कई बड़े शहरों के दौरे पर है जिसमें पटना, बेंगलोर, चेन्नई, कोलकाता, कोच्चि, मुंबई और हैदराबाद शामिल हैं. फिल्म की एडवांस बुकिंग भारत में 30 नवंबर को शुरू होगी, जबकि अमेरिका में प्री-सेल्स पहले से ही जोर पकड़ रही है. पुष्पा: द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. जिसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल लीड रोल में हैं. अल्लू अर्जुन की फिल्म की एडवांस बुकिंग के पहले दिन में अब तक 22.87 लाख टिकट्स बिक चुकी हैं जिससे फिल्म ने 8.56 करोड़ की कमाई कर ली है.

सूर्या 44 में डांस नंबर करती दिखेंगी श्रिया सरन

गाने की रिलीज पर दिया बड़ा अपडेट

श्रिया सरन को आखिरी बार 2024 की हिंदी वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया था। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट को लेकर चर्चा जोरो पर है। बीते दिनों खबरें थीं कि श्रिया फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित अस्थायी शीर्षक वाली फिल्म सूर्या 44 से जुड़ गई हैं। वहीं, अब इन रिपोर्ट्स पर खुद अभिनेत्री ने पक्की मुहर लगा दी है। साथ ही अपने बयान से प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाती नजर आई हैं। अभिनेत्री श्रिया सरन ने हाल ही में कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक गैंगस्टर ड्रामा सूर्या 44 में स्पेशल डांस नंबर में अपनी भागीदारी की पुष्टि की। गोवा में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने खुलासा किया, मैंने सूर्या सर की फिल्म में एक गाना शूट किया है। इसे शूट करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। मुझे लगता है कि गाना दिसंबर में आ रहा है। गोवा में एक विशेष रूप से निर्मित सेट पर फिल्माया गया यह गाना श्रिया की सुंदरता और ऊर्जा को उजागर करते हुए एक शानदार विजुअल ट्रीट देने का वादा करता है। इस डांस नंबर में सूर्या भी हैं। यह गाना निश्चित रूप से फिल्म के मुख्य आकर्षण में से एक होगा। श्रिया ने अपने आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर भी बात करते हुए कहा, मैं एक आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं, और शूटिंग तीन दिनों में शुरू होगी। हालांकि, उन्होंने फिल्म के बारे में अधिक जानकारी देने से परहेज किया। सूर्या 44 के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्मांकन पूरा किया है। फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी हैं और इसमें जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण सहित कई शानदार सहायक कलाकार हैं। 10 अप्रैल, 2025 को भव्य रिलीज के लिए तैयार, फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और शफीक मोहम्मद अली का संपादन है। यह सूर्या की 2डी एंटरटेनमेंट और कार्तिक सुब्बाराज की स्टोन बेंच फिल्म्स द्वारा सह-निर्मित है।

ना कल्कि, ना देवरा, लकी भास्कर बनी फिल्म ऑफ द ईयर, ओटीटी पर छाई दुलकर सलमान की थ्रिलर मूवी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कूल एक्टर दुलकर सलमान की नई फिल्म लकी भास्कर ओटीटी पर रिलीज हो गई है. फिल्म में दुलकर सलमान के साथ मीनाक्षी चौधरी स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आई है. फिल्म की रिलीज होते ही लोग सोशल मीडिया पर अपना रिव्यू साझा कर रहे हैं. दुलकर सलमान की कॉमन मैन वाली यह स्टोरी लोगों काफी पंसद आ रही हैं. लकी भास्कर आज से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है. नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लकी भास्कर से दुलकर सलमान का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, स्कैम से ज्यादा थ्रिलिंग क्या हो सकता है? इसे सामने आते देखना. अब नेटफ्लिक्स पर तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में लकी भास्कर देखें. दुलकर सलमान की थ्रिलर मूवी को लेकर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर काफी सारे रिव्यू आए हैं. एक एक्स यूजर ने फिल्म के

एक-एक प्वाइंट के बारे में बताया है. यूजर ने फिल्म को 5 स्टार में से 4.5 स्टार देते हुए पोस्ट में लिखा है, यह फिल्म भास्कर नाम के एक बैंक कर्मचारी की कहानी है, जो अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में चुनौतियों सामना करता है. 90 के दशक के अंत का सेट अप शानदार है और बेहतरीन ड्रेस देखने में अमैडजिंग लगा. स्ट्रॉन्ग कास्ट और बेहतरीन साउंडट्रैक फिल्म को और बेहतर बनाते हैं. एक यूजर ने लिखा है, इस शख्स को मेरा सलाम, जीवी प्रकाश कुमार की याद आज भी मेरे दिमाग में है, जब मैंने इसे थिएटर में देखा था. यह फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कारों में बेस्ट म्यूजिक की हकदार है. मैं इसके लिए कामना और प्रार्थना करता हूं. एक दूसरे यूजर ने लिखा है, दुलकर सलमान के लिए सबसे बेहतरीन एलिवेशन सीन में से एक और यह कोई एक्शन सीन नहीं है. ग्रेट राइटिंग यही कर सकता है. जबकि एक यूजर ने तो लकी भास्कर को फिल्म ऑफ द ईयर करार दिया है. इसने लिखा है, ना कल्कि...ना देवरा... मेरे लिए लकी भास्कर फिल्म ऑफ द ईयर है. नेटफ्लिक्स ने आज यह फिल्म रिलीज कर दी गई है, जिसे दर्शक तेलुगू समेत पांच भारतीय भाषाओं में घर बैठे इस सुपरहिट फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं. फिल्म में रामकी, मानसा चौधरी, सचिन खेडेकर, साई कुमार, टीनू आनंद और अन्य भी हैं.

MGCU Convocation To Confer 433 degree with Gold Medals To Students

MOTIHARI@BNM

A press conference was held at the Rajkumar Shukla Sabhagar located in Mahatma Gandhi Central University (MGCU), under the chairmanship of Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava. The event was attended by Prof. Prasoon Dutt Singh, Chairman of the Overall Coordination Committee; Dr. Shyam Nandan, Coordinator of the Public Relations Cell; Public Relations Officer Ms. Shephalika Mishra; and committee members Dr. Kundan Kishore Rajak, Dr. Govind Prasad Verma, and Dr. Asha Meena. Vice- Chancellor Prof. Sanjay Srivastava said that the upcoming convocation is a historic and prestigious moment for both the university and the town of Motihari. He remarked, "This convocation marks a milestone in our university's journey of academic excellence. It is not just a celebration of individual achievements but a testament to the collective efforts of the faculty, students, and the university administration. For the first time, 47 Ph.D. degrees will be awarded, marking a milestone in our journey towards academic excellence." A total of 433 degrees will be conferred, including 40 gold medals for meritorious students. Speaking on the occasion, Prof. Prasoon Dutt Singh remarked, "The convocation will reflect the cultural ethos of our country. The unique convocation attire symbolizes our heritage and is designed to instill pride in our students." The ceremonial dress will include kurta-pyjama with uttariya for male students and white saree with a red border, a red blouse, and uttariya for female students. Distinctive safa/pagdi colors have been designated to signify different categories: saffron for dignitaries, purple for deans and council members, maroon for Ph.D. recipients, magenta for undergraduate students, and yellow for postgraduate students. Dr. Shyam Nandan stated, "Preparations are in full swing, and all protocols will be strictly followed to ensure a memorable experience for students and attendees." This convocation, a celebration of academic achievements, is set to leave an indelible mark on the university's legacy and Motihari's educational landscape.

Key highlights of the convocation include:

433 Degrees to be Conferred: The university will honor 433 students with degrees.

40 Gold Medals: Outstanding students will be awarded 40 gold medals for their exceptional academic performance.

First Ph.D. Degrees: MGCU will confer its first-ever Ph.D. degrees, 47 in number, marking a significant milestone in its academic journey.

The colors of the safa/ pagdi signify different academic groups:

Saffron: Hon'ble Vice-Chancellor and dignitaries,

Purple: Deans, heads, and members of the Executive and Academic council,

Maroon: Ph.D. recipients

Magenta: Undergraduate students,

Yellow: Postgraduate students,

The university is leaving no stone unturned to ensure a flawless ceremony, reflecting its commitment to academic and cultural excellence.

Bihar's Dy CM Assures Helping 'Champaran Satyagrah' -Asthana Claims

Sagar Suraj l BNM

MOTIHARI: Bihar's Deputy Chief Minister, Vijay Kumar Sinha, announced that the state government will provide full support to Dr. Rajesh Asthana's film "Champaran Satyagraha" at the Bihar Mahotsav in Delhi. This cultural event aimed to showcase Bihar's art and culture, and Sinha also elaborated on Bihar's Film Promotion Policy. Bihar Mahotsav, a cultural extravaganza showcasing the art and culture of Bihar held at the Shah Auditorium on December 3-4. In Mahotsav, Bihar's Deputy Chief Minister and Minister of Arts, Culture, and Youth Affairs, Vijay Kumar Sinha, announced to promote art and culture in Bihar. Informing BNM through a press note Champaran Satyagrah's production team said that the policy, approved in July 2024, offers grants up to 4 crore to filmmakers, with a focus on promoting filmmaking in regional languages and supporting local artists in Bihar. The government also plans to make the film shooting process easier by simplifying permissions. The event honored Dr. Rajesh Asthana along with others with the Bihar Gaurav Samman, and hundreds of artists and art enthusiasts attended there including the film's cast and crew. Bihar Mahotsav's founder, Prasad Ratneshwar, said the event aims to unite people from Bihar living in and outside the state and introduce Bihar's culture to the entire nation. He also called for the film Champaran Satyagraha to be made tax-free in Bihar. The Bihar government will provide all possible support to the film 'Champaran Satyagraha,' announces Deputy Chief Minister at Bihar Mahotsav in Delhi. The event was graced by hundreds of artists and art enthusiasts, including Munna Kumar, who played Gandhi in the film, actress Alisha Singh Rajput, the film's DOP Ashok Mahi, and other team members like Rakesh Verma, Ranjan Chaudhary, Deepak Mishra, Sonu Kumar, Mahendra Karn, Anil Patang and Tanveer Hassan.

"This cultural event aimed to showcase Bihar's art and culture, and he also elaborated on Bihar's Film Promotion Policy"

Prasad Ratneshwar

Rahul-Priyanka Gandhi left Delhi for Sambhal, police deployed at Ghazipur border

New Delhi: Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi and Congress MP Priyanka Gandhi left Delhi for Sambhal in Uttar Pradesh on Wednesday. In view of their visit, Uttar Pradesh Police has tightened security at the Ghazipur border of Delhi-Uttar Pradesh and has put up barricades. This has caused a huge jam on the Delhi-Meerut Expressway. Due to slow movement of vehicles, thousands of vehicles are seen standing in queue at the Ghazipur border. In view of the communal violence in Sambhal and Rahul Gandhi's visit, the Sambhal District Magistrate has imposed prohibitory orders under Section 163 and banned the entry of outsiders. He has written a letter to the Police Commissioner of Gautam Buddha Nagar, Ghaziabad and the Superintendent of Police of Amroha, Bulandshahr to stop Rahul from entering the border of Uttar Pradesh. He wrote to instruct the concerned to stop Rahul in his district only. After 5 people were killed in the recent violence over the survey of the mosque in Sambhal, Rahul Gandhi is going to Sambhal to meet their families. However, the Sambhal administration has banned the entry of any leader and social organization in the district till December 10. There are arrangements to stop Rahul and his convoy on the Delhi border itself. Rahul is accompanied by MP Priyanka Gandhi, KC Venugopal, Imran Masood and others.

Former Deputy Chief Minister Sukhbir Singh Badal was shot while guarding the Golden Temple

Chandigarh: Former Deputy Chief Minister and Shiromani Akali Dal President Sukhbir Singh Badal was shot at in Amritsar, Punjab on Wednesday. The bullet was fired when Sukhbir was performing sevadar duties at the entrance of the Golden Temple as per the religious punishment (tankhah) pronounced by the Akal Takht. The person who fired the shot was caught on the spot. Sukhbir narrowly escaped the attack. A video of the firing has also surfaced, in which the attacker can be seen being held by a person before firing the shot. However, the shot is fired even after this, but no one is hit. The attacker has been identified as Narayan Singh Chaura, who is said to be a worker of Dal Khalsa. He tried to attack by taking out a pistol from his pants.

The police have taken him into custody. The five Singh Sahibs of Akal Takht Sahib, the supreme body of the Sikhs, had on Monday reprimanded Badal and his ministers at the Golden Temple. Badal had confessed his mistakes in front of the five Singh Sahibs. Akal Takht had declared all of them 'tankhaiya' (religiously guilty) two months ago. Akal Takht had asked to elect a new president of the Akali Dal within six months and has stripped former Chief Minister Parkash Singh Badal of the title of Fakhr-e-Qaum. On August 30, Badal was declared 'Tankhaiya' for the mistakes done by the Akali Dal and his government from 2007 to 2017 in Punjab.

During his tenure, Badal was accused of pardoning Sirsa Dera chief Gurmeet Ram Rahim Singh in the blasphemy case and promoting police officers involved in the killing of innocent Sikhs. A blasphemy case was registered against Ram Rahim in 2007, but the Akali Dal government withdrew the case. Sukhbir and the then MLAs who were cabinet ministers in his government will stand guard for 1 hour each at the Golden Temple, Sri Keshgarh Sahib, Sri Damdama Sahib, Talwandi Sabo, Sri Muktsar Sahib, Sri Fatehgarh Sahib for 2 days and will clean the used utensils and toilets in the langar.

Farmers issue raised in Rajya Sabha, demand to fulfill the promise of MSP

New Delhi: The issue of minimum support price (MSP) for farmers and their crops was raised in the Rajya Sabha on Wednesday. Opposition MPs demanded to postpone all other work of the Rajya Sabha and discuss this issue under Rule 267. However, this demand was not accepted. After this, the Chairman gave the opportunity to Congress Rajya Sabha MP Pramod Tiwari from the opposition to speak on this subject. Speaking on this issue, Congress Rajya Sabha MP Pramod Tiwari said that the God of the earth, Annadaata, is being beaten with sticks. The promise of minimum support price made to the farmers is not being fulfilled. The Congress MP said that even people sitting on constitutional posts are raising our voice regarding the farmers. He thanked Rajya Sabha Chairman and Vice President Jagdeep Dhankhar and said that we thank you that you have raised our voice. It is noteworthy that on Tuesday, during a program, Vice President Jagdeep Dhankhar himself had questioned Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan as to why talks were not being held with the farmers. During a program on Tuesday, he told Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan, who was present on the stage, that Agriculture Minister, every moment is important for you. I request you, and as the person holding the second highest post under the Constitution of India, I urge you to please tell me, was any promise made to the farmer, and why was that promise not fulfilled. What are we doing to fulfill the promise. There was a movement last year, there is a movement this year too, and time is passing, but we are not doing anything. On Wednesday, in Rajya Sabha, a Congress MP demanded from the Chairman that he should direct the government to fulfill the promises made to the farmers. The Congress MP said that we want answers from the government especially on the minimum support price. After Pramod Tiwari spoke, many Congress and opposition MPs stood up from their seats and started demanding to speak on this issue. On which the Chairman expressed his displeasure. Actually, on Wednesday, the opposition had given notices for discussion on issues like farmers' issue, cyclone in Tamil Nadu and violence in Sambhal, Uttar Pradesh. Opposition MPs demanded discussion on the issue of farmers. On this, the Chairman said that you have remembered the farmers after a long time. The Chairman said that for 5 days, notices were given for discussion on various issues under Rule 267 due to which the proceedings of the Rajya Sabha could not continue for 5 days, however, during this time, not even once a notice was given for discussion on the issue of farmers and now crocodile tears are being shown.

Today's Brief

Chief Minister Chandrababu Naidu's decision in Andhra Pradesh, use of drones will increase for crime control

Amaravati: Andhra Pradesh Chief Minister Chandrababu Naidu has directed that emphasis be laid on the use of drones to curb crime and enhance security measures. After watching a presentation given by a Bengaluru-based drone manufacturing company at the Secretariat, the Chief Minister has asked state officials to immediately expand the use of drones across the state. He has also asked for proper monitoring and detection of suspicious activity through drones. Apart from crime and security, the Chief Minister has proposed the use of drones for delivering medicines in areas deprived of transport facilities, improving sanitation in villages and municipalities, spraying pesticides, monitoring forest fires and other disasters. The company told the Chief Minister's team that drones can also be used to assess traffic in crowded areas, take necessary action, monitor security vulnerabilities in real time, make public announcements and manage crowds. Andhra Pradesh recently introduced a new drone policy under its industrial policy, which aims to make the state a hub for drone manufacturers. This will include creation of a state drone corporation, setting up of a drone development centre in Kurnool, and development of a network of training and manufacturing units. Andhra Pradesh has estimated an investment of Rs 1,000 crore in the drone sector, generating annual revenue of Rs 3,000 crore and employment opportunities for 40,000 persons.

Delhi Chief Minister Atishi took a dig at the Center in the triple murder case

New Delhi: On one hand, Aam Aadmi Party convenor Arvind Kejriwal is seen constantly attacking the central government over the incidents happening in Delhi, while on the other hand, Delhi Chief Minister Atishi has taunted the central government through social media in the triple murder case that took place in Delhi's Neb Sarai this morning. Atishi wrote in her post, a triple murder took place in Neb Sarai this morning. Murders are happening in broad daylight in Delhi, bullets are being fired, drugs are being sold openly. The central government has only one responsibility in Delhi - to provide security to the people of Delhi. They have completely failed in their responsibility. It is noteworthy that Aam Aadmi Party's National Convenor Arvind Kejriwal is seen constantly cornering the Home Ministry of the Central Government regarding the law and order situation in Delhi. According to Arvind Kejriwal, he has done the work that he had to do in Delhi. But one work which was the most important and the responsibility of which lies with the Central Government is the security system and law and order of Delhi. The Central Government seems to be failing in this. Along with Arvind Kejriwal, other party leaders and the Chief Minister of Delhi herself are constantly targeting the central government. Arvind Kejriwal is seen cursing the Delhi Police for its failure in his padyatra and public meetings. Along with this, Arvind Kejriwal has also constantly attacked the BJP through social media regarding the law and order in Delhi. Kejriwal is expressing concern over the incidents happening in Delhi through social media and blaming the police for this.

Big reshuffle in Mamata's cabinet soon, some ministers may be dropped

Kolkata: The phased reshuffle in the West Bengal cabinet is likely to begin early next year and the process is expected to be completed in the next two to three months. According to Trinamool Congress sources, the proposed reshuffle will mainly focus on departments that are directly related to public services. The Chief Minister wants to improve the work of these departments keeping in mind the Assembly elections 2026. There could be a few aspects to this reshuffle. First, some important departments, which are directly related to public services, are being managed by some ministers who are also in charge of other departments. A party insider said the chief minister is considering dedicating one minister to each of the important departments to improve the functioning there. In such a situation, there is a high possibility of new faces being inducted into the cabinet, he said. The second part of the reshuffle will be to change the portfolios of some existing ministers as per the requirements. In that case too, party sources said some existing ministers will lose their ministries and may be replaced by new faces. The third part would be to promote some existing ministers of state (independent) as Cabinet ministers, sources said. A party insider said, discussions on reshuffle in the state cabinet began in August this year. If everything goes in the right direction, the process is expected to begin early next year. Recently, the Chief Minister had given clear guidelines, identifying the persons who would handle party affairs, legislative matters and administrative matters. The Chief Minister had made it clear that in these three areas, old people will be given more priority than new people. She had also hinted at reviewing the functioning of the current leadership of the youth and student wing of the Trinamool Congress.

Navy will showcase its power and skill through Operation Demo

New Delhi: Navy Day celebrations are being held at Blue Flag Beach Puri, Odisha on Wednesday, December 4. Here the Indian Navy will display its operational power and skills through an operational demonstration (Operation Demo). During this, the Navy's most modern weapons, sensors and other equipment will be displayed here. President of India and Supreme Commander of the Armed Forces Draupadi Murmu will be the chief guest of this ceremony. The Op Demo to be conducted by the Indian Navy during the Navy Day celebrations will see the participation of naval units with a combined weight of 90,000 tonnes. The weapons and sensors on board have the capability to neutralise any threat arising from surface, sub-surface or air within a range of 300 kilometres. More than 3500 naval personnel will manage these platforms at sea. While another 350 personnel will coordinate from the shore for the Operation Demo.